राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

जो लिखेगा, वही टिकेगा

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें.....
9511151254

@swatantraprabhatmedia @swatantramedia RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com) @SwatantraPrabhatonline news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, गुरुवार, 10जुलाई 2025

वर्ष 14,अंक 91, पृष्ट 04,मूल्यः 01 रुपया

www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

लखनऊ में नशामुक्ति के लिए पदयात्रा 3 अगस्त को..03

गुलशन यादव की गिरफ्तारी राशि दो गुणी की गई, एक वर्ष से फरार चल रहे ...04

पाकिस्तान की सियासत में सुनामी! राष्ट्रपति प्रणाली लाने की तैयारी, खतरे में P M शहबाज की कुर्सी

स्वतंत्र प्रभात

इस्लामाबाद- पाकिस्तान की राजनीति में एक बड़ा सत्ता परिवर्तन होने की चर्चाएं जोरों पर हैं। सूत्रों के अनुसार, राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी जल्द ही अपने पद से इस्तीफा दे सकते हैं, और उनकी जगह देश के शक्तिशाली सेना प्रमुख फील्ड मार्शल असीम मुनीर को नया राष्ट्रपति बनाया जा सकता है। साथ ही, प्रधानमंत्री पद के लिए बिलावल भुट्टो जरदारी का नाम तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है। बताया जा रहा है कि पाकिस्तान में संसदीय प्रणाली को बदलकर राष्ट्रपति प्रणाली लागू करने की तैयारी भी चल रही है।

जरदारी के इस्तीफे की अटकलें तेज

जरदारी की गिरती सेहत को लेकर कयास लगाए जा रहे हैं कि वह जल्द पद छोड़ सकते हैं। रिपोर्टों के मुताबिक, उन्होंने शर्त रखी है कि यदि उनके बेटे बिलावल भुट्टो को कोई अहम पद दिया जाए, तो वे पद छोड़ने को तैयार हैं। पीपीपी की हालिया बैठकों में कई वरिष्ठ नेताओं ने बिलावल को प्रधानमंत्री

बनाए जाने की मांग की है।

आर्मी चीफ मुनीर बनेंगे राष्ट्रपति

फील्ड मार्शल असीम मुनीर को हाल ही में पाकिस्तान के सैन्य इतिहास का सबसे उच्च दर्जा प्राप्त हुआ है। अब तक यह सम्मान सिर्फ अयूब खान को मिला था। इस पद के साथ उन्हें आजीवन सैन्य विशेषाधिकार, कानूनी संरक्षण और असंवैधानिक दखल से सुरक्षा मिलती है। माना जा रहा है कि वह राष्ट्रपति पद संभालने के बाद प्रतीकात्मक नहीं, बल्कि पूरा सिस्टम बदलने की योजना पर काम करेंगे।

शरीफ परिवार में हड़कंप

मौजूदा पीएम शहबाज शरीफ और उनकी पार्टी पीएमएल-एन इस संभावित सियासी बदलाव का विरोध कर रहे हैं। डर है कि राष्ट्रपति प्रणाली लागू होते ही न सिर्फ शहबाज की कुर्सी जाएगी, बल्कि शरीफ परिवार की सियासी पकड़ भी कमजोर हो जाएगी। खबर है कि पीएमएल-एन अब आर्मी के अन्य धड़ों से संपर्क में है, ताकि बिलावल और मुनीर के गठजोड़ को रोका जा सके।

संविधान में बदलाव की तैयारी

विश्लेषकों के अनुसार, मुनीर चाहते हैं कि संसद, न्यायपालिका और मीडिया पर उनका पूरा नियंत्रण हो। उनकी हालिया अंतरराष्ट्रीय यात्राओं (वॉशिंगटन, बीजिंग, रियाद) को पाकिस्तानी स्थिरता का प्रतिनिधि कहा जा रहा है। आशंका है कि मुनीर संविधान में संशोधन करके राष्ट्रपति प्रणाली लागू कर सकते हैं और यह 'जनरल जिया-उल-हक' के 1977 के तख्तापलट जैसा 'सॉफ्ट कूप' साबित हो सकता है।

सेना प्रमुखों का राष्ट्रपति बनना कोई नई बात नहीं

पाकिस्तान के इतिहास में सेना प्रमुखों का राष्ट्रपति बनना कोई नई बात नहीं है। अब तक तीन आर्मी जनरल तख्तापलट के जरिए देश की सत्ता संभाल चुके हैं। जनरल अयूब खा ने 1958 में तख्तापलट किया और फिर राष्ट्रपति बन गए। उनका कार्यकाल 1969 तक चला। जनरल जिया-उल-हक ने 1977 में सत्ता हथियाई और 1988 तक राष्ट्रपति के रूप में देश पर राज किया। जनरल परवेज मुशर्रफ ने 1999 में तख्तापलट किया और फिर 2001 से 2008 तक पाकिस्तान के राष्ट्रपति रहे। अब चर्चा है कि मौजूदा आर्मी चीफ असीम मुनीर भी इसी रास्ते पर चलने की तैयारी में हैं। फर्क बस इतना है कि इस बार यह सत्ता परिवर्तन किसी खुले तख्तापलट की जगह 'सॉफ्ट कूप' यानी धीरे-धीरे सत्ता का नियंत्रण अपने हाथ में लेने जैसा है। आज तक पाकिस्तान का कोई भी प्रधानमंत्री अपना 5 साल का कार्यकाल पूरा नहीं कर सका । अब सेना एक बार फिर सत्ता में बिना तख्तापलट के लेकिन संगठित रणनीति के ज़रिए अपनी पकड़ मज़बूत करने की ओर बढ़ रही है।

केजरीवाल ने क्यों कहा- मुझे मिलना चाहिए नोबेल प्राइज, इस बयान से मचा सियासी घमासान

स्वतंत्र प्रभात

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने एक बार फिर सुर्खियों में आते हुए खुद को नोबेल पुरस्कार का पात्र बताया है। पंजाब के मोहाली में एक जनसभा को संबोधित करते हुए केजरीवाल ने कहा कि उन्होंने दिल्ली में मुख्यमंत्री रहते हुए इतनी विपरीत परिस्थितियों में काम किया कि उन्हें "गवर्नेंस और एडमिनिस्ट्रेशन का नोबेल प्राइज" मिलना चाहिए।

दिल्ली में मोहल्ला क्लीनिक बंद हो रहे - केजरीवाल

केजरीवाल ने कहा कि जब तक उनकी सरकार दिल्ली में सत्ता में रही, उन्हें ठीक से काम करने नहीं दिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा शासित नगर निगम ने पांच मोहल्ला क्लीनिकों को बुलडोजर से गिरा दिया। "इन लोगों ने हमारे क्लीनिक तोड़े, लेकिन हमने फिर भी जनता के लिए काम किया। बीजेपी ने दिल्ली की हालत खराब कर दी है। मोहल्ला क्लीनिक बंद हो रहे हैं, अस्पतालों में फ्री दवाइयां और टेस्ट बंद हैं,

चारों ओर गंदगी फैली हुई है," केजरीवाल ने कहा।

केजरीवाल मॉडल बोर्डरूम से नहीं, झुग्गियों से निकला है

आम आदमी पार्टी प्रमुख ने अपने राजनीतिक सफर को याद करते हुए कहा कि उन्होंने एक एनजीओ से शुरुआत की और दिल्ली की झुग्गियों में रहकर काम किया। "हमारा उद्देश्य था हर परिवार को 200 यूनिट मुफ्त बिजली और 20,000 लीटर मुफ्त पानी उपलब्ध कराना। सरकार को नागरिकों की बुनियादी जरूरतों की गारंटी देनी चाहिए," उन्होंने कहा।

बीजेपी का पलटवार- ग्लोबल करप्शन अवार्ड के असली दावेदार हैं केजरीवाल

अरविंद केजरीवाल के नोबेल पुरस्कार वाले बयान पर भारतीय जनता पार्टी ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। बीजेपी प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने कहा, "केजरीवाल सिर्फ एक ही पुरस्कार के लायक हैं - 'ग्लोबल करप्शन अवार्ड'। अगर दुनिया में भ्रष्टाचार सिखाने की यूनिवर्सिटी होती, तो अरविंद केजरीवाल उसके कुलपति होते।" भंडारी ने यह भी कहा कि, "आज दिल्ली की जनता खुश है कि उन्होंने भ्रष्टाचारी अरविंद केजरीवाल को "टाटा बाय-बाय" कह दिया है।"

संक्षिप्त ख़बरें

शादी का प्रपोजल ठुकराया तो 18 साल की लड़की पर फेंक दिया तेजाब, फिर खुद भी की आत्महत्या की कोशिश

चिक्कबल्लापुर- कर्नाटक के चिक्कबल्लापुर में शादी का प्रस्ताव ठुकराए जाने के बाद एक व्यक्ति ने 18-वर्षीय लड़की पर टॉयलेट साफ करने वाले तेजाब से कथित तौर पर मंगलवार को हमला कर दिया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि इसके बाद आरोपी ने कथित तौर पर डीजल डालकर खुद को आग लगाकर आत्महत्या का प्रयास किया। यह घटना चिक्कबल्लापुर जिले के मंचनाबेले गांव में हुई। पुलिस के अनुसार, 20 वर्षीय आनंद कुमार पीड़िता का रिश्तेदार है और उससे शादी करना चाहता था। पुलिस ने बताया कि वैशाली ने उसके शादी के प्रस्ताव को ठुकरा दिया था और इस बात से नाराज होकर कुमार ने पीड़िता के चेहरे पर टॉयलेट साफ करने वाला तेजाब डाल दिया तथा उसके घर के बाहर डीजल डालकर खुद को आग लगाकर आत्महत्या करने की कोशिश की। पुलिस ने बताया कि भारतीय न्याय संहिता की उचित धाराओं के तहत चिक्कबल्लापुर पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया है और आगे की जांच जारी है।

भागलपुर में मिनी गन फैक्ट्री का भंडाफोड़, भारी मात्रा में अर्द्धनिर्मित हथियार के साथ 4 लोग गिरफ्तार

भागलपुर- बिहार में भागलपुर जिले के नाथनगर थाना क्षेत्र में पुलिस ने मंगलवार को अवैध रूप से संचालित एक मिनी गन फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया है। भागलपुर के नगर पुलिस अधीक्षक शुभम मिश्रा ने मंगलवार को बताया कि इस क्षेत्र के रतीपुर दियारा में कुछ लोगों द्वारा हथियार बनाने की सूचना मिलने पर आवश्यक कार्रवाई के लिए पुलिस उपाधीक्षक (नगर) के नेतृत्व में गठित विशेष टीम एवं विशेष कार्य बल (STF) ने मिलकर मंगलवार को रतीपुर दियारा में एक ठिकाने पर छापेमारी की। मिश्रा ने बताया कि छापेमारी के दौरान भारी मात्रा में अर्धनिर्मित हथियार और हथियार बनाने के औजार के साथ चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार लोगों की पहचान मुकेश महतो,मो. इम्तियाज, प्रमोद मंडल एवं बैजनाथ मंडल के रूप में की गई है। गिरफ्तार लोग भागलपुर तथा मुंगेर जिले के रहने वाले है।

'जब प्यार किया तो डरना क्या...'

●अपने बेटे के प्यार में फिदा हुई मां, बोली चलो चलते हैं! फिर अंधेरी रात में...

स्वतंत्र प्रभात

हाल ही में एक बेहद चौंकाने वाला मामला सामने आया है। एक पिता अपने ही बेटे और पत्नी की तलाश में पिछले तीन महीने से पुलिस के चक्कर काट रहा है। उनका आरोप है कि उनकी पत्नी और बेटे के बीच 'प्यार' हो गया है और वे दोनों साथ फरार हो गए हैं। पुलिस से कोई मदद न मिलने पर, पीड़ित पिता ने अब मुख्यमंत्री को शिकायत भेजकर न्याय की गुहार लगाई है।

रोते हुए पिता ने बताई आपबीती

पीड़ित पिता ने बताया कि इस अजीबोगरीब परेशानी से बेहद दुखी हैं। उन्होंने बताया कि पहले उनका बेटा अपनी माँ के पैर छूता था और सब कुछ सामान्य था। लेकिन उन्हें पता ही नहीं चला कि कब उनकी पत्नी और बेटे के बीच संबंध इतने बदल गए कि उन्होंने इस अप्रत्याशित कदम को अंजाम दे दिया। पिता का कहना है कि दोनों ने मिलकर इस 'वारदात' को अंजाम दिया है।

पुलिस पर सुनवाई न करने का आरोप

पीड़ित ने आरोप लगाया है कि वह पिछले तीन महीने से अपनी पत्नी और बेटे की तलाश में पुलिस स्टेशनों के चक्कर लगा रहे हैं, लेकिन उनकी शिकायत पर कोई सुनवाई नहीं हो रही है। पुलिस की तरफ से कोई ठोस कार्रवाई न होने से निराश होकर, उन्होंने अब सीएम विंडो (CM Window) के माध्यम से मुख्यमंत्री को अपनी शिकायत भेजी है। उन्होंने मुख्यमंत्री से इस मामले में हस्तक्षेप करने और दोनों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। यह मामला समाज में रिश्तों की जटिलता और बदलते स्वरूप पर कई सवाल खड़े करता है।

वो पुल जो आजादी से पहले अंग्रेजों ने बनाया था, जब टूटा तो गई थी 141 लोगों की जान

स्वतंत्र प्रभात

गुजरात के वडोदरा जिले के पाडरा इलाके में आज सुबह एक पुराना पुल भरभरा कर ढह गया जिससे पुल से गुजर रहे वाहन सीधे महिसागर नदी में गिर गए। हादसे में अब तक 9 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है जबकि 6 अन्य घायल हुए हैं। इस हादसे ने सरकार द्वारा करवाए गए कार्यों पर भी सवाल उठा दिए क्योंकि कुछ ही महीनों पहले इसकी मुरम्मत की गई थी। हालांकि यह कोई पहला पुल हादसा नहीं है जिसने कई परिवार उजाड़ दिए। इससे पहले 2022 में भी एक ऐसा पुल हादसा हुआ था जिसने कई जिंदगियां खत्म कर दी थीं।

आजादी से पहले अंग्रेजों ने बनाया था

दरअसल गुजरात के मोरबी में मच्छु नदी पर बना एक 142 साल पुराना ऐतिहासिक केबल पुल 30 अक्टूबर 2022 को भीषण हादसे का शिकार हो गया था। बता दें कि जब यह पुल टूटा था तो इस हादसे में 141 लोगों की जान चली गई थी। आजादी से पहले अंग्रेजों द्वारा यह पुल बनवाया गया था और इसे अपनी बेजोड़ इंजीनियरिंग और ब्रिटेन से मंगाए गए खास सामान के लिए जाना जाता था। यह भी पता चला है कि यह पुल पिछले

कुछ समय से बंद था। यह केवल एक पुल ही नहीं बल्कि भारत की आजादी की लड़ाई का गवाह और गुजरात के प्रमुख पर्यटन स्थलों में से एक था जिसने एक गौरवशाली इतिहास देखा लेकिन अब इसका नाम एक दर्दनाक त्रासदी से जुड़ गया है।

अंग्रेजों के जमाने का नायाब इंजीनियरिंग नमूना

यह केबल पुल का इतिहास काफी पुराना है। इसे आजादी से पहले अंग्रेजों ने बनवाया था और इसका निर्माण साल 1880 में करीब 3.5 लाख रुपये की लागत से पूरा हुआ था। 20 फरवरी 1879 को मुंबई के तत्कालीन गवर्नर रिचर्ड टेम्पल ने इसका उद्घाटन किया था। इसकी खासियत यह थी कि इसके निर्माण के लिए सारा सामान ब्रिटेन से ही मंगवाया गया था और उस समय की सबसे बेहतरीन इंजीनियरिंग का प्रयोग किया गया था। यह पुल न केवल भारत की आजादी की लड़ाई का

गवाह बना बल्कि इसने भारत के उज्जवल भविष्य को भी देखा। अपनी बेहतरीन इंजीनियरिंग, कला और ऐतिहासिक महत्व के कारण इसे गुजरात के प्रमुख टूरिस्ट प्लेस में शुमार किया जाता था। मच्छु नदी पर बना यह ब्रिज मोरबी के लोगों के लिए एक प्रमुख टूरिस्ट स्पॉट था जो दरबार गढ़ पैलेस और लखधीरजी इंजीनियरिंग कॉलेज को जोड़ता था।

5 दिन पहले ही खुला था पुल, मरम्मत पर लगे थे 2 करोड़ रुपये

यह दुखद है कि यह 1.25 मीटर चौड़ा और 765 फीट लंबा सस्पेंशन ब्रिज पिछले काफी समय से यानी छह महीने से जनता के लिए बंद कर दिया गया था। इसकी मरम्मत का काम हाल ही में पूरा हुआ था जिस पर करीब दो करोड़ रुपये की लागत आई थी। मरम्मत के बाद इसे दीपावली के अगले दिन यानी 25 अक्तूबर 2022 को ही जनता के लिए दोबारा खोला गया था लेकिन दुर्भाग्यवश खुलने के महज पांच दिन के भीतर ही इतना बड़ा हादसा हो गया।

भारी बोझ बना काल, क्षमता से कई गुना ज़्यादा थी भीड़

प्रत्यक्षदर्शियों और शुरुआती जानकारी के मुताबिक इस पुल की क्षमता करीब 100 लोगों की ही थी लेकिन चूंकि आज रविवार और छुट्टी वाला दिन था ऐसे में लोगों की भारी भीड़ पुल पर मौजूद थी। कुछ प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया है कि घटना के वक्त पुल पर करीब 400 से 500 लोग थे। क्षमता से कई गुना ज़्यादा लोगों के बोझ को पुल सह नहीं पाया और भरभराकर टूट गया। कुछ प्रत्यक्षदर्शियों ने दिल दहला देने वाले बयान दिए कि जब पुल टूटा तो उन्होंने महिलाओं और बच्चों को इसकी केबल से लटकते भी देखा। मोरबी पर बने इस अंग्रेजों के जमाने के ब्रिज के रखरखाव की जिम्मेदारी वर्तमान में ओधवजी पटेल के स्वामित्व वाले ओरेवा ग्रुप के पास है। इस ग्रुप ने मार्च 2022 से मार्च 2037 यानी 15 साल के लिए मोरबी नगर पालिका के साथ एक समझौता किया है। इस समझौते के आधार पर ही इस पुल के रखरखाव, सफाई, सुरक्षा और टोल वसूलने जैसी सारी जिम्मेदारी ओरेवा ग्रुप के पास थी। पुल पर जाने के लिए 15 रुपये का शुल्क लिया जाता था।

दिल्ली-N C R में 1 नवंबर से लागू होगा बड़ा फैसला, नहीं मिलेगा पेट्रोल-डीजल

स्वतंत्र प्रभात

दिल्ली सरकार और वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (CAQM) के बीच उठापटक के बाद अब साफ हो गया है कि 1 नवंबर 2025 से दिल्ली और एनसीआर के छह शहरों में पुराने वाहनों को पेट्रोल-डीजल नहीं मिलेगा। यह फैसला वायु प्रदूषण से लड़ने के अभियान का हिस्सा है, जिसे अब चरणबद्ध तरीके से पूरे एनसीआर में लागू किया जाएगा।

क्या है नया आदेश?

दिल्ली सरकार ने पहले 1 जुलाई से पुराने वाहनों को ईंधन देने पर रोक लगाई थी। यानी 10 साल से पुराने डीजल वाहन और 15 साल से पुराने पेट्रोल वाहनों को पेट्रोल पंप से ईंधन नहीं मिलना था। इसके तहत पेट्रोल पंपों पर कैमरे लगाए गए और ट्रैफिक पुलिस को ऐसे वाहनों को जब्त करने या चालान काटने का अधिकार दिया गया। हालांकि, इस फैसले पर जनता और राजनीतिक हलकों में जबरदस्त विरोध हुआ। इसका असर इतना

बड़ा था कि सरकार को कुछ ही दिनों में इस प्रतिबंध को स्थगित करना पड़ा। पर्यावरण मंत्री मंजिंदर सिंह सिरसा ने घोषणा की कि सरकार एक नया और व्यवहारिक सिस्टम लाएगी।

विवाद और विरोध क्यों?

आम जनता, खासकर मध्यम वर्ग, ने इस आदेश को अन्यायपूर्ण बताया। उनका कहना था कि कुछ वाहन तो हजारों किलोमीटर भी नहीं चले हैं, फिर भी उन्हें %कबाड़% मानना गलत है। इस पर दिल्ली के उपराज्यपाल वी.के. सक्सेना ने भी दखल दिया और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को पत्र लिखकर यह प्रतिबंध हटाने की सलाह दी। सक्सेना ने कहा कि आम आदमी एक वाहन खरीदने के लिए अपनी पूरी जमा-पूंजी लगा देता है, और उसे जबरन स्क्रैप करना अनुचित है।

वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (CAQM) ने हालात को देखते हुए फैसला लिया है कि अब यह योजना 1 नवंबर से पूरे दिल्ली-एनसीआर के 6 शहरों में एकसाथ लागू होगी। इनमें शामिल हैं- दिल्ली, गुरुग्राम, फरीदाबाद, नोएडा, गाज़ियाबाद, सोनीपत

कौन-कौन से वाहन होंगे प्रभावित?

-10 साल से अधिक पुराने डीजल वाहन

-15 साल से अधिक पुराने पेट्रोल वाहन

-ऐसे वाहनों को पेट्रोल पंप से ईंधन नहीं मिलेगा, चाहे उनका फिजिकल कंडीशन कैसा भी हो।

ईंधन रोकने का तरीका क्या होगा?

पेट्रोल पंपों पर ऑटोमैटिक कैमरा सिस्टम लगे होंगे जो वाहन की उम्र की पहचान करेंगे।

यदि वाहन 'End of Life' की श्रेणी में है, तो उसे ईंधन देने से मना कर दिया जाएगा।

ट्रैफिक पुलिस को ऐसे वाहनों को जब्त करने और चालान जारी करने की भी छूट होगी।

इस कदम का मुख्य उद्देश्य दिल्ली और एनसीआर की बिगड़ती वायु गुणवत्ता को सुधारना है। खासकर सर्दियों में जब स्मॉग का असर चरम पर होता है, तब ऐसे पुराने वाहन प्रदूषण के बड़े स्रोत बनते हैं।

पटना से दिल्ली जा रही इंडिगो की फ्लाइट से टकराया पक्षी, कराई गई इमरजेंसी लैंडिंग; बाल-बाल बचे यात्री

स्वतंत्र प्रभात

पटना से 175 यात्रियों को लेकर बुधवार सुबह दिल्ली जा रहे इंडिगो के विमान से पक्षी टकरा गया, जिसके बाद इंजन में तकनीकी खराबी आने से विमान जयप्रकाश नारायण अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर वापस लौट आया। हवाई अड्डे के अधिकारियों ने यह जानकारी देते हुए बताया कि सभी 175 यात्री और चालक दल के सदस्य सुरक्षित हैं। पटना हवाईअड्डे की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है, पटना से दिल्ली जाने वाली आईजीओ 5009 उड़ान ने सुबह आठ बजकर 42 मिनट पर उड़ान भरने के बाद पक्षी के टकराने की सूचना दी, निरीक्षण के दौरान रनवे पर एक मृत पक्षी पाया गया। "एप्रोच कंट्रोल यूनिट" ने विमान को इसकी सूचना दी। एप्रोच कंट्रोल यूनिट से संदेश मिला कि विमान ने एक इंजन में कंपन के कारण पटना वापस आने का अनुरोध किया है। विमान सुबह नौ बजकर तीन मिनट पर रनवे 7 पर सुरक्षित तरीके से उतर गया। सभी यात्री सुरक्षित हैं। अधिकारियों ने बताया कि उड़ान का निरीक्षण किया जाएगा। विमानन कंपनी यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था करेगी।

बिहार में नीतीश पर टिकीं महागठबंधन की राहें

बिहार में इसी वर्ष विधानसभा चुनाव होने हैं। हालांकि चुनाव आयोग ने अभी तारीखों की घोषणा नहीं की है लेकिन राजनैतिक दलों की तैयारियां पूरी तरह से चल रही हैं। बिहार की 243 सदस्यों की विधानसभा में बहुमत के लिए 122 सदस्यों की संख्या चाहिए। मुख्यमंत्री नितीश कुमार अपने लिए यह संख्या जुटा ही देते हैं, फिर चाहे वह आरजेडी के साथ मिलें या एनडीए के साथ मिलकर सरकार बना लें। बिहार विधानसभा में इस बार दो बार परिवर्तन हुआ लेकिन मुख्यमंत्री नितीश कुमार ही रहे। पिछले विधानसभा चुनाव के बाद नितीश कुमार ने एनडीए के साथ मिलकर सरकार बनाई थी और फिर बीच में एनडीए से अनबन के कारण वो आरजेडी से मिल गये। अभी आरजेडी के साथ ज्यादा समय नहीं गुज़रा था और नितीश कुमार ने फिर पलटी मारी और एनडीए के साथ मिलकर फिर सरकार बना ली। भले ही एनडीए की भारतीय जनता पार्टी के पास और इंडिया गठबंधन की आरजेडी के पास नितीश कुमार से दुगुनी सीटें हों लेकिन मुख्यमंत्री नितीश कुमार ही बनते हैं। यह एक तरह की विडंबना ही है जो कम सीटें पाकर भी मुख्यमंत्री नितीश कुमार ही बने रहते हैं।

इस बार की बिहार विधानसभा में सर्वाधिक सीटें आरजेडी के पास 79 सीटें थीं लेकिन वह बिना नितीश कुमार के सरकार नहीं बना सकते थे। दूसरे नंबर की बात करें तो भारतीय जनता पार्टी के पास आरजेडी से दो सीट कम 77 सीटें थीं लेकिन वह भी बहुमत से बहुत दूर थे और बिना जनता दल यूनाइटेड के सरकार नहीं बना सकते थे। पिछले चुनाव की बात करें तो बिहार की 243 सदस्यों वाली विधानसभा में जनता दल यूनाइटेड को 46, भारतीय जनता पार्टी को 77, हिंदुस्तान आवाम मोर्चा को 4, राष्ट्रीय जनता दल को 79, कांग्रेस को 19, माकपा माले को 11, भाकपा 2, माकपा 2, एआईएमआईएम को 1 सीट पर विजय प्राप्त हुई थी। एआईएमआईएम ने पिछले विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनता दल का काफी नुकसान किया था। और इस लिहाज से वह इस बात इंडिया गठबंधन में शामिल होकर अपना हिस्सा मांग रही है लेकिन तेजस्वी यादव ने साफ कह दिया है कि यदि आप इंडिया गठबंधन का भला करना चाहते हैं तो चुनाव न लड़के भी भला किया जा सकता है। तेजस्वी की पार्टी आरजेडी बिहार में इंडिया गठबंधन का प्रमुख दल है और वहां एआईएमआईएम को शामिल करने का निर्णय तेजस्वी के हाथ में ही है।

बिहार में एक बार फिर से त्रिकोणीय संघर्ष देखने को मिल सकता है क्योंकि नितीश कुमार अभी थके नहीं हैं और वो पूरी तरह से चुनौती देने के लिए मैदान में होंगे। लेकिन चुनाव के बाद नितीश किसके साथ होंगे इस बात की कोई गारंटी नहीं ले सकता है। नितीश कुमार ने तमाम वार अपने गठबंधन के साथी बदले हैं लेकिन मुख्यमंत्री का पद उन्हीं के पास रहा है। जब जब भारतीय जनता पार्टी ने परिवर्तन की कोई कोशिश की है नितीश तुरंत तेजस्वी के पास भाग आए हैं। इसलिए नितीश कुमार पर कोई भरोसा नहीं कर सकता है। वैसे भारतीय जनता पार्टी इस बार पूरी कोशिश कर रही है कि मुख्यमंत्री का पद उसके पास आ जाए लेकिन नितीश के साथ रह कर ऐसा असंभव ही है। नितीश कुमार के पास सबसे अधिक बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने का रिकार्ड भी है। लोगों ने उनका उपनाम भी रख दिया है 'पलटू राम' लेकिन नितीश कुमार पर इसका कोई प्रभाव नहीं पड़ने वाला है उनकी राजनीति अलग ही तरह की है।

बिहार की वर्तमान राजनैतिक स्थिति काफी जटिल और उतार-चढ़ाव से भरी हुई है। नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली सरकार में कई बदलाव देखे गए हैं, खासकर उनके एनडीए से अलग होने और महागठबंधन की सरकार बनाने की कोशिशों के दौरान।

पिछले चुनाव के बाद बिहार में राजनीतिक घटनाक्रम काफी तेजी से बदले थे। जिसमें नीतीश कुमार की भूमिका ही अग्रणी रही है। नीतीश कुमार ने हाल ही में अपने राजनीतिक रुख में बदलाव किया है, जिससे उनके एनडीए से अलग होने और महागठबंधन की सरकार बनाने की अटकलें लगाई जा रही हैं। नितीश के पार्टी के नेता बराबर आरजेडी नेता लालू प्रसाद यादव और तेजस्वी यादव के संपर्क में हैं। अखिलेश यादव की सलाह ने भी नितीश कुमार को सलाह दी है। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने नीतीश कुमार को केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार से समर्थन वापसी की सलाह दी है, जिससे आगामी चुनावों में नए समीकरण बन सकते हैं। अब फैसला नितीश कुमार के पास है कि वो क्या करते हैं। बीच-बीच में हलचल बढ़ती रहती है और इसी डर से भारतीय जनता पार्टी भी शांत दिखाई देती है ताकि नितीश कहीं लालू प्रसाद यादव से राजनैतिक नजदीकियां न बढ़ा लें।

बिहार की राजनीति में इस बार राजपूत वोटरों का महत्व बढ़ गया है। बिहार में राजपूत वोटरों का महत्वपूर्ण स्थान है, और बीजेपी ने राजनाथ सिंह जैसे वरिष्ठ नेता को पार्टी की ओर से संकेत देने की जिम्मेदारी दी है कि बीजेपी हर जाति को साथ लेकर चलेगी। बिहार की चुनावी राजनीति में जाति और वर्ग का महत्वपूर्ण स्थान है, और राजनीतिक दल इन समीकरणों को साधने की कोशिश करते हैं।

महागठबंधन की संभावनाएं नितीश कुमार के ऊपर ही टिकीं हैं, नीतीश कुमार के महागठबंधन की सरकार बनाने की कोशिशों से आगामी चुनावों में नए समीकरण बन सकते हैं। नीतीश कुमार की आगामी रणनीति और उनके राजनीतिक रुख का पता लगाना महत्वपूर्ण होगा, जिससे बिहार की राजनीति में आगे की दिशा तय हो सके। जबकि बीजेपी की ओर से राजनाथ सिंह का बिहार दौरा और उनके द्वारा दिए गए संकेतों से पता चलता है कि पार्टी जातिगत समीकरणों को साधने की कोशिश कर रही है। -

जितेन्द्र सिंह पत्रकार

पूर्णिया की आग- आदिवासी अस्मिता पर हमला या लोकतंत्र की पराजय?

पूर्णिया जिला मुख्यालय से करीब 20 किलोमीटर दूर पूर्णिया प्रखंड के राजीगज पंचायत के टेटगामा आदिवासी टोला में पांच आदिवासियों को जीवित जला दिए जाने की वीभत्स और अमानवीय घटना भारतीय लोकतंत्र के माथे पर कलंक बनकर उभरी है। यह कोई साधारण हत्या नहीं थी, यह एक सुनियोजित नरसंहार था, जो आदिवासी समुदाय की अस्मिता, गरिमा और उनके अस्तित्व पर किया गया एक सधा हुआ हमला था। इस देश में जहां संविधान हर नागरिक को बराबरी, न्याय और गरिमा का अधिकार देता है, वहीं एक आदिवासी परिवार को महज अंधविश्वास, जातीय वैमनस्य और सामाजिक पूर्वग्रह के कारण जिंदा जला देना दर्शाता है कि हमारे लोकतंत्र का आंचल आज भी आदिवासियों के लिए उतना ही संकीर्ण और असुरक्षित है जितना वह औपनिवेशिक काल में हुआ करता था। घटना की पृष्ठभूमि में एक भयावह सामाजिक मानसिकता छिपी है। गांव में एक व्यक्ति की मृत्यु हुई और उसकी जिम्मेदारी एक आदिवासी परिवार पर थोप दी गई। एक कथित ओझा को बुलाया गया, उसे पैसे दिए गए और जब उसके झाड़-फूंक से कुछ न निकला, तो अपने अपराध को छिपाने और अपनी विफलता का दोष किसी पर डालने के लिए एक सम्पूर्ण परिवार को डायन ठहराकर जिंदा आग के हवाले कर दिया गया। यह हत्या नहीं, एक सुनियोजित जातीय-सामाजिक नरसंहार था। मकई के खेत में जलती पराली से आग लगाई गई, और फिर उन जले हुए शवों को दो किलोमीटर दूर फेंक दिया गया, ताकि साक्ष्य मिट जाए और गांव की छवि पर कोई दाग न लगे। इस भयावह कांड में मारे गए लोग कोई आम आंकड़े नहीं थे वे एक समुदाय की प्रतिनिधि चेतना थे। एक वृद्ध महिला, एक किशोर, एक विवाहिता महिला और दो छोटे बच्चे इन सभी की चिताएं न केवल उनके जीवन को भस्म कर गईं, बल्कि भारत के लोकतांत्रिक दावों को भी झुलसा गईं। केवल 14 वर्षीय सोनू किसी तरह भागकर जान बचा सका और उसी की गवाही ने इस नरसंहार को उजागर किया। आज वह किशोर मात्र गवाह नहीं, बल्कि पूरे देश के विवेक और न्याय प्रणाली का जीवित प्रश्न है। भारत में डायन-बिसाही के नाम पर अब भी दर्जनों महिलाओं की हत्या होती है, परंतु जब यह लांछन किसी आदिवासी परिवार पर थोपा जाता है, तो यह केवल अंधविश्वास नहीं रहता। यह सामाजिक दमन और जातीय हिंसा का औजार बन जाता है। यह अंधविश्वास, समाज की उस हिंसक मानसिकता से पोषित होता है जो आदिवासी जीवन को हीन, असभ्य और अशुभ मानती है। यह संयोग नहीं है कि पीड़ित परिवार आदिवासी था, निर्धन था, और सामाजिक रूप से हाशिए पर था। यही वह त्रिकोण है जिसमें भारत की सबसे बड़ी हिंसाएं जन्म लेती हैं जाति, अंधविश्वास और सत्ता-समर्थित चुप्पी। पूर्णिया की इस घटना को केवल स्थानीय अपराध की तरह देखना भारी भूल होगी। यह घटना भारत के संविधान की आत्मा को चुनौती देती है। जब किसी गांव में एक परिवार को जिंदा जलाया जाता है और बाकी गांव मौन रहता है, तो वह मौन ही सबसे बड़ा अपराध बन जाता है। वह मौन बताता है कि सामाजिक संरचना कितनी भयावह और असंवेदनशील हो चुकी है। जब राज्य की पुलिस, प्रशासन, और पंचायत व्यवस्था इस तरह के अपराध को होने से नहीं रोक पाती, तब यह केवल कानून-व्यवस्था की विफलता नहीं, बल्कि संवैधानिक व्यवस्था की संपूर्ण असफलता है। सरकार की ओर से तीन लोगों की गिरफ्तारी की गई है। पर क्या यही पर्याप्त है। क्या अपराधियों को केवल पकड़ना न्याय है। क्या किसी भीड़ द्वारा जिंदा जला देने जैसी घटना को सामान्य हत्या की तरह देखा जा सकता है। क्या इस घटना को हेट क्राइम, जातीय नरसंहार और सामूहिक सामाजिक अपराध की श्रेणी में नहीं रखा जाना चाहिए। क्या आदिवासी समुदाय को यह भरोसा दिया जा सकता है कि उन्हें इस देश में जीवित रहने का अधिकार सुरक्षित है।आदिवासी समाज पर यह हमला कोई पहली बार नहीं हुआ है। कभी ज़मीन छीनकर, कभी जंगल उजाड़कर, कभी विस्थापन के नाम पर, तो कभी धर्मांतरण विरोधी कानूनों के ज़रिए। और जब कुछ बचता है, तो उसे अंधविश्वास की आड़ में नष्ट कर दिया जाता है। यह एक संगठित सामाजिक और सांस्कृतिक युद्ध है, जिसमें आदिवासी समुदाय हर मोर्चे पर अकेला है। भारत में आदिवासी समुदाय का अर्थ आज भी सिर्फ पिछड़े, अशिक्षित, जंगल में रहने वाले लोगों तक सीमित है। इस सोच को नहीं तोड़ा गया, इसलिए उन्हें नागरिक के रूप में स्वीकार करने में हमारा बहुसंख्यक समाज आज भी झिझकता है। मीडिया की भूमिका इस पूरे मामले में बेहद निराशाजनक रही। इस घटना को कुछ अखबारों में छोटे कोने में प्रकाशित कर दिया गया, जबकि यह राष्ट्रीय बहस का विषय बनना चाहिए था। क्या यह इसलिए कि पीड़ित कोई नामचीन व्यक्ति नहीं थे। या इसलिए कि वे आदिवासी थे, जो न तो प्रभावशाली हैं और न ही उन्हें राजनीतिक शक्ति प्राप्त है। मीडिया का मौन भी सत्ता और व्यवस्था की मिलीभगत को उजागर करता है। मीडिया अगर निष्पक्ष नहीं रहेगा, तो न्याय कभी पूर्ण नहीं होगा। यह समय केवल संवेदना व्यक्त करने का नहीं है, यह प्रतिकार और संगठन का समय है। राष्ट्रीय आदिवासी छात्र संघ और अन्य संगठनों को इस मुद्दे को राष्ट्रीय स्तर पर उठाना चाहिए। यह आवश्यक है कि संसद के भीतर यह विषय उठे, मानवाधिकार आयोग इस पर संज्ञान ले, और सर्वोच्च न्यायालय स्वतः संज्ञान लेकर जांच की निगरानी करे। बिहार सरकार को इस पूरे मामले की उच्चस्तरीय न्यायिक जांच करानी चाहिए और दोषियों पर हत्या नहीं, बल्कि मानवता के विरुद्ध अपराध की धारा में मुकदमा चलाना चाहिए। हमारे समय का यह सबसे बड़ा नैतिक संकट है कि एक पूरा समाज, एक पूरा राज्य और एक पूरा तंत्र एक आदिवासी परिवार को बचाने में विफल रहा। अगर इस घटना पर देश का बौद्धिक, न्यायिक और राजनीतिक तंत्र चुप रहता है, तो फिर यह स्वीकार कर लेना चाहिए कि भारत में आदिवासी जीवन की कोई कीमत नहीं है। पूर्णिया की आग बुझ गई है, पर उसकी राख में एक पूरा इतिहास जल चुका है न्याय की असफलता का इतिहास, समाज की चुप्पी का इतिहास, और संविधान की विफलता का इतिहास। अब यह हम पर निर्भर करता है कि हम उस राख से फिर कोई चिंगारी उठने देंगे या उस राख को लोकतंत्र की आत्मा से सींचकर प्रतिकार की मशाल बनाएंगे। यह केवल पांच लोगों की हत्या नहीं थी यह भारत की आत्मा पर किया गया हमला था। और इस आत्मा को बचाने के लिए अब केवल भाषण नहीं, संघर्ष चाहिए। सच्चा, संगठित और निर्णायक संघर्ष। तभी इस देश की लोकतांत्रिक पहचान बच पाएगी। नहीं तो कल किसी और गांव में कोई और सोनू अपनी पूरी दुनिया को आग में जलते देखेगा, और हम एक बार फिर उसी शर्मनाक चुप्पी में लिपटे रहेंगे।

हंसराज चौरसिया

दैनिक राशिफल

डॉ.कौशलेन्द्र पाण्डेय जी
ज्योतिष सेवा केन्द्र लखनऊ

मेष-कोर्ट-कचहरी में अनुकूलता रहेगी। पूजा-पाठ में मन लगेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। झंझटों में न पड़ें। उधार दिया धन मिलने से राहत हो सकती है। जीवनसाथी का सहयोग उलझे मामले सुलझाने में सहायक हो सकेगा। वाहन सावधानी से चलाएँ।

वृष-चोट, चोरी व विवाद से हानि संभव है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। कुसंगति से हानि होगी। अपने काम से काम रखें। स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही न करें। आवास संबंधी समस्या हल होगी। आलस्य न करें। सोचे काम समय पर नहीं हो पाएँगे।

मिथुन-राजकीय बाधा दूर होकर लाभ होगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। क्रोध पर नियंत्रण रखें। लाभ होगा। रुके हुए काम समय पर पूरे होने से आत्मविश्वास बढ़ेगा। परिवार की समस्याओं का समाधान हो सकेगा। व्यापार में नई योजनाएँ बनेंगी। व्यापार अच्छा चलेगा।

कर्क-भूमि व भवन संबंधी कार्य लाभ देंगे। रोजगार मिलेगा। शत्रु भय रहेगा। निवेश व नौकरी लाभ देंगे। व्यापार अच्छा चलेगा। कार्य के विस्तार की योजनाएँ बनेंगी। रोजगार में उन्नति एवं लाभ की संभावना है। पठन-पाठन में रुचि बढ़ेगी। लाभदायक समाचार मिलेंगे।

सिंह-रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। विवाद न करें। सामाजिक एवं राजकीय ख्याति में अभिवृद्धि होगी। आर्थिक अनुकूलता रहेगी। रुका धन मिलने से धन संग्रह होगा। राज्यपक्ष से लाभ के योग हैं।

कन्या-उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। शत्रु सक्रिय रहेंगे। शोक समाचार मिल सकता है। थकान महसूस होगी। व्यावसायिक चिंता रहेगी। संतान के व्यवहार से कष्ट होगा। सहयोगी मदद नहीं करेंगे। व्ययों में कटौती करने का प्रयास करें। वाहन चलाते समय सावधानी रखें।

तुला-रोमांस में समय बीतेगा। मेहनत का फल मिलेगा। कार्यसिद्धि से प्रसन्नता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। परिवार में प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। व्यापार के कार्य से बाहर जाना पड़ सकता है। कार्यपद्धति में विश्वसनीयता बनाएँ रखें। धनार्जन होगा।

वृश्चिक-अतिथियों का आवागमन रहेगा। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। स्वाभिमान बना रहेगा। नई योजनाओं की शुरुआत होगी। संतान की प्रगति संभव है। भूमि व संपत्ति संबंधी कार्य होंगे। पूर्व कर्म फलीभूत होंगे। परिवार में सुखद वातावरण रहेगा। व्यापार में इच्छित लाभ होगा।

धनु-बेरोजगारी दूर होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। जोखिम न लें। क्रोध एवं उत्तेजना पर संयम रखें। सत्कार्य में रुचि बढ़ेगी। प्रियजनों का पूर्ण सहयोग मिलेगा। व्यावसायिक चिंताएँ दूर होंगी। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

मकर-कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। व्ययवृद्धि होगी। तनाव रहेगा। अपरिचितों पर विश्वास न करें। प्रयास में आलस्य व विलंब नहीं करना चाहिए। रुके हुए काम समय पर होने की संभावना है। विरोधी परास्त होंगे। यात्रा कष्टप्रद हो सकती है। धैर्य एवं संयम बना रहेगा।

कुंभ- दिन प्रेमभरा गुजरेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। रुका हुआ धन मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी। जल्दबाजी न करें। प्रियजनों से पूरी मदद मिलेगी। धन प्राप्ति के योग हैं। स्वयं के सामर्थ्य से ही भाग्योन्नति के अवसर आएँगे। संतान के कार्यों में उन्नति के योग हैं।

मीन-नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। मान-सम्मान मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सावधानी रखें। कार्यक्षमता एवं कार्यकुशलता बढ़ेगी। कर्म के प्रति पूर्ण समर्पण व उत्साह रखें। व्यापार में नई योजनाओं से लाभ होगा।

संपादकीय

सीबीआई की रेड नहीं, मेडिकल सिस्टम की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट

[भ्रष्टाचार की दवाइयों से जहर बनती डॉक्टर फैक्ट्री]

जब एक देश की स्वास्थ्य व्यवस्था और उसकी नींव मानी जाने वाली मेडिकल शिक्षा भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाए, तो यह केवल एक घोटाला नहीं, बल्कि लाखों लोगों के भरोसे और भविष्य पर सीधा हमला है। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने हाल ही में एक सनसनीखेज खुलासे के साथ स्वास्थ्य मंत्रालय, राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग (एनएमसी), और निजी मेडिकल कॉलेजों के बीच गहरे भ्रष्टाचार के जाल को उजागर किया है। 34 लोगों के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी ने एक ऐसी सच्चाई सामने लाई है, जो न केवल मेडिकल शिक्षा की विश्वसनीयता को धक्का देती है, बल्कि देश के स्वास्थ्य तंत्र के प्रति जनता का विश्वास भी हिलाती है। यह घोटाला स्वास्थ्य मंत्रालय के गलियारों से शुरू होता है, जहां अधिकारियों ने बिचौलियों और निजी मेडिकल कॉलेजों के साथ मिलकर एक ऐसा तंत्र बनाया, जो नियमों को तोड़ने-मरोड़ने का पर्याय बन गया। गोपनीय दस्तावेजों की चोरी, निरीक्षण कार्यक्रमों का पहले से लीक होना, और मूल्यांकनकर्ताओं की जानकारी कॉलेजों तक पहुंचाना–यह सब एक सुनियोजित साजिश का हिस्सा था। इस सेटिंग ने मेडिकल कॉलेजों को वह मौका दिया, जिसके जरिए वे निरीक्षण प्रक्रिया को धोखे में बदल सके। कॉलेजों ने इस अवसर का भरपूर फायदा उठाया। फर्जी संकाय की नियुक्ति, काल्पनिक मरीजों को भर्ती दिखाना, और बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली में हेरफेर जैसे हथकंडे अपनाए गए। यह सब रिश्वत के खेल का हिस्सा था, जहां लाखों रुपये हवाला के जरिए लेन-देन किए गए। यह धन न केवल व्यक्तिगत लाभ के लिए, बल्कि सामाजिक और धार्मिक गतिविधियों के नाम पर भी इस्तेमाल हुआ। यह खुलासा यह सवाल उठाता है कि क्या पवित्रता का मुखौटा पहनकर भ्रष्टाचार को छिपाना अब आम बात हो गई है? मेडिकल शिक्षा का उद्देश्य कुशल और नैतिक डॉक्टर तैयार करना है, जो देश की स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करें। लेकिन जब यह प्रक्रिया ही भ्रष्टाचार से ग्रस्त हो, तो परिणामस्वरूप निकलने वाले डॉक्टरों की गुणवत्ता पर सवाल उठना लाजमी है। फर्जी संकाय और नकली मरीजों के दम पर मान्यता प्राप्त करने वाले कॉलेज न केवल शिक्षा की गुणवत्ता को ठेस पहुंचाते हैं, बल्कि मरीजों की जान को भी खतरे में डालते हैं। यह घोटाला मेडिकल शिक्षा की वैश्विक साख पर भी गहरा प्रहार करता है। भारत, जो चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं के लिए वैश्विक स्तर पर जाना जाता है, इस तरह के घोटालों के कारण अपनी विश्वसनीयता खो रहा है। उन लाखों छात्रों का क्या, जो भारी-भरकम फीस चुकाकर इन कॉलेजों में पढ़ते हैं? क्या उनकी मेहनत और सपने इस भ्रष्ट तंत्र की भेंट चढ़ जाएंगे? यह स्थिति न केवल शिक्षा व्यवस्था के प्रति अविश्वास को जन्म देती है, बल्कि समाज में असमानता को भी बढ़ावा देती है, क्योंकि आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों के लिए अवसर और सीमित हो जाते हैं। यह घोटाला केवल मेडिकल शिक्षा तक सीमित नहीं है; इसके सामाजिक और आर्थिक प्रभाव भी गंभीर हैं। निजी मेडिकल कॉलेजों का व्यावसायीकरण पहले ही शिक्षा को एक विलासिता बना चुका है। जब ये कॉलेज भ्रष्टाचार के जरिए मान्यता हासिल करते हैं, तो यह शिक्षा की पहुंच को और सीमित करता है। मेधावी लेकिन आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों के लिए मेडिकल शिक्षा का सपना और दूर हो जाता है। आर्थिक दृष्टिकोण से, हवाला के जरिए होने वाला रिश्वत का लेन-देन देश की अर्थव्यवस्था को खोखला करता है। यह धन, जो जनकल्याण के लिए उपयोग हो सकता था, भ्रष्टाचार के काले गलियारों में गायब हो रहा है। धार्मिक और सामाजिक कार्यों के नाम पर इसका इस्तेमाल न केवल नैतिकता पर सवाल उठाता है, बल्कि समाज के प्रति एक गहरे विश्वासघात को दर्शाता है। यह घोटाला राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग (एनएमसी) की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाता है। एनएमसी को भ्रष्टाचार-मुक्त और पारदर्शी व्यवस्था लाने के लिए बनाया गया था, लेकिन इस घोटाले ने इसके दावों की पोल खोल दी। यह स्पष्ट है कि नियामक ढांचे में गहरी खामियां हैं, जिन्हें तत्काल दूर करने की जरूरत है। निरीक्षण प्रक्रिया को डिजिटल और स्वचालित करना, स्वतंत्र ऑडिट को अनिवार्य करना, और भ्रष्टाचार में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करना कुछ ऐसे कदम हैं, जो इस तंत्र को मजबूत कर सकते हैं। साथ ही, जनता को भी जागरूक होकर इस भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठानी होगी। यह केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज का सामूहिक दायित्व है कि हम ऐसी व्यवस्था बनाएं, जहां शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्र भ्रष्टाचार से मुक्त हों। यह घोटाला एक कड़वी सच्चाई सामने लाता है कि हमारी व्यवस्था में भ्रष्टाचार की जड़ें कितनी गहरी हैं। लेकिन यह एक अवसर भी है–सुधार का अवसर, जवाबदेही का अवसर, और एक ऐसी व्यवस्था बनाने का अवसर, जो नैतिकता और पारदर्शिता पर टिकी हो। सीबीआई की कार्रवाई एक शुरुआत है, लेकिन यह तभी सार्थक होगी जब इसके परिणामस्वरूप ठोस बदलाव आएं। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि मेडिकल शिक्षा का हर स्तर–प्रवेश से लेकर मान्यता तक–पारदर्शी और जवाबदेह हो। यह न केवल उन छात्रों के लिए जरूरी है, जो अपने सपनों को साकार करने के लिए दिन-रात मेहनत करते हैं, बल्कि उन करोड़ों मरीजों के लिए भी, जिनका जीवन इन डॉक्टरों के हाथों में होता है। यह घोटाला एक चेतावनी है–हमारी व्यवस्था की कमजोरियों की, हमारे विश्वास की ठगी की, और हमारे भविष्य के साथ खिलवाड़ की। यह एक ऐसा आघात है, जो हर उस व्यक्ति के दिल को छूता है, जो इस देश के स्वास्थ्य और शिक्षा तंत्र पर भरोसा करता है। लेकिन यह समय केवल शोक मनाने का नहीं, बल्कि संकल्प लेने का है। हमारी मेडिकल शिक्षा को भ्रष्टाचार के इस काले साये से मुक्त करना होगा। यह एक लंबी लड़ाई है, लेकिन अगर हम एकजुट होकर इस भ्रष्ट तंत्र के खिलाफ खड़े हों, तो हम एक ऐसी व्यवस्था बना सकते हैं, जो न केवल कुशल डॉक्टर तैयार करे, बल्कि समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी को भी निभाए। आइए, इस घोटाले को एक सबक बनाएं और एक नए, पारदर्शी, और नैतिक भारत की नींव रखें।

प्रो. आरके जैन

गुरु पूर्णिमा- आध्यात्मिक, सामाजिक, बौद्धिक एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण

गुरु पूर्णिमा भारतीय संस्कृति का एक ऐसा पर्व है, जो केवल श्रद्धा या परंपरा तक सीमित नहीं, बल्कि मानव जीवन के समग्र विकास से जुड़ा चेतना दिवस है। यह तिथि हर वर्ष आषाढ़ मास की पूर्णिमा को आती है और इसे वेदव्यास जी की जयंती के रूप में भी मनाया जाता है। वेदव्यास न केवल महाभारत और पुराणों के रचयिता थे, बल्कि उन्होंने वेदों का वर्गीकरण कर ज्ञान को व्यवस्थित रूप दिया। इस कारण यह दिन 'व्यास पूर्णिमा' भी कहलाता है और समस्त गुरु परंपरा को नमन करने का अवसर प्रदान करता है।

भारतीय ज्ञान परंपरा में गुरु का अर्थ केवल शिक्षक नहीं, बल्कि वह आलोक है जो अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाता है। गुरु वह होता है जो जीवन के सभी आयामों—धर्म, ज्ञान, व्यवहार, नीति और आत्म-उत्कर्ष—में मार्गदर्शन करता है। इस पर्व का महत्व केवल वैदिक परंपरा तक सीमित नहीं है। बौद्ध धर्म में इसे उस दिन के रूप में मनाया जाता है जब भगवान बुद्ध ने ज्ञान प्राप्ति के पश्चात सारनाथ में अपना पहला उपदेश दिया। योग परंपरा में इसे उस दिन से जोड़ा जाता है जब शिव ने सप्तर्षियों को योग का पहला ज्ञान दिया। इस प्रकार यह पर्व हर परंपरा में जागरण और मार्गदर्शन का प्रतीक है।

आज के प्रतिस्पर्धात्मक, तनावपूर्ण और भ्रम से भरे समय में सही मार्गदर्शन की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक है।वर्तमान समय में जहां सूचना का विस्फोट हुआ है, वहीं विवेक का ह्रास भी देखा जा रहा है। पाखंड, फरेब, और दिखावे ने गुरु-शिष्य संबंध को कहीं न कहीं अपवित्र करने का प्रयास किया है। आध्यात्मिकता के नाम पर बाजारवाद, सोशल मीडिया पर दिखावटी ज्ञान, और स्वयंभू गुरुओं की बाढ़ ने लोगों को भ्रमित कर दिया है। परिणामस्वरूप, सच्चे गुरु का चयन और सही मार्गदर्शन प्राप्त करना अब एक गंभीर चुनौती बन चुका है। यह स्थिति केवल गुरु की विश्वसनीयता पर प्रश्न नहीं उठाती, बल्कि शिष्यों की विवेकशीलता और आत्मपरीक्षण की क्षमता पर भी विचार करने को प्रेरित करती है।

सच्चा गुरु न तो भीड़ चाहता है, न प्रसिद्धि; वह आत्म-प्रकाशित होता है और शिष्य को भी आत्मप्रकाश की ओर ले जाता है। वही शिष्य भी योग्य होता है जो प्रश्न करता है, समर्पण करता है और अपने अहं को छोड़ने का साहस रखता है। यह संबंध केवल श्रद्धा पर नहीं, बल्कि चरित्र, समर्पण और आंतरिक उत्कंठा पर आधारित होता है। सामाजिक दृष्टि से भी इस दिन का महत्व विशेष है। यह दिन हमें उन व्यक्तियों को स्मरण करने और उनके प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने की प्रेरणा देता है, जिन्होंने हमारे जीवन को दिशा दी—चाहे वे माता-पिता हों, शिक्षक हों, मित्र हों या अन्य कोई भी घटना,जीव, व्यक्ति।

नैतिक मूल्यों और जीवनदृष्टि की कमी के कारण आज का युवा भटकाव, असंतोष और आत्मसंघर्ष का शिकार ज्यादा हो रहा है। गुरु पूर्णिमा इस शून्यता को भरने का माध्यम बन सकती है यदि हम गुरु-तत्त्व को केवल किसी व्यक्ति में नहीं, बल्कि जीवन की प्रत्येक शिक्षाप्रद घटना में भी देखने का अभ्यास करें।

गुरु पूर्णिमा का एक रोचक पक्ष इसका वैज्ञानिक महत्व भी है। खगोलशास्त्र के अनुसार यह तिथि उस समय आती है जब चंद्रमा पृथ्वी के सर्वाधिक निकट होता है और पूर्ण रूप से प्रकाशित होता है। चंद्रमा का मानव मस्तिष्क पर प्रभाव विज्ञान द्वारा प्रमाणित है—विशेषतः भावनात्मक संतुलन और मानसिक स्पष्टता के क्षेत्र में। योग और आयुर्वेद के अनुसार यह समय ध्यान, साधना और आत्ममंथन के लिए अत्यंत उपयुक्त होता है। इस समय वायुमंडल में प्राणवायु की मात्रा बढ़ती है और मानसून की पहली वर्षा के साथ प्रकृति भी उर्जस्वित होती है। इसलिए प्राचीन गुरुकुलों में यही समय शिक्षा की औपचारिक शुरुआत का भी हुआ करता था।

यह पर्व हमें प्रकृति से भी जोड़ता है। कई स्थानों पर धरती, नदी, हल, बीज और पशु-पक्षियों को गुरु मानकर पूजा की जाती है, जो इस बात का संकेत है कि भारत की संस्कृति में केवल मानव नहीं, संपूर्ण सृष्टि गुरु-तत्त्व की वाहक मानी जाती है। इसी व्यापक दृष्टिकोण ने भारत को 'गुरु-भूमि' के रूप में प्रतिष्ठा दी है।

आज जब शिक्षा प्रणाली केवल अंकों और परिणामों पर केंद्रित होती जा रही है, गुरु पूर्णिमा हमें मूल्य आधारित शिक्षा, आचरण और दृष्टिकोण की याद दिलाती है। यह दिन बच्चों में श्रद्धा, युवाओं में आत्मावलोकन और समाज में कृतज्ञता का भाव जगाने का अवसर बन सकता है। यदि आधुनिक समाज इस पर्व को केवल धार्मिक उत्सव न मानकर आत्म-निर्माण के पर्व के रूप में अपनाए, तो यह सामाजिक नवजागरण का सशक्त साधन बन सकता है।

अतः मेरी दृष्टि में गुरु पूर्णिमा एक ऐसा अवसर है जो हमें यह समझने का अवसर देता है कि जीवन में ज्ञान, दृष्टि और विवेक का स्थान सर्वोपरि है। यह तिथि एक स्थायी स्मरण है उस ऊर्जा का, जो हमारे जीवन को अर्थ देती है, संकल्प देती है और लक्ष्य की ओर अग्रसर करती है। इसे केवल एक दिन की पूजा न बनाकर, पूरे जीवन में गुरु-तत्त्व को आत्मसात करना ही इस पर्व का वास्तविक सम्मान होगा। और जब समाज अपने भीतर छिपे 'अंधश्रद्धा' और 'छद्म ज्ञान' के आवरण को हटाकर सच्चे गुरु और विवेकशील शिष्य की परंपरा को पुनः स्थापित करेगा, तभी गुरु पूर्णिमा की सार्थकता भी अपने चरम पर होगी।

डॉ मनमोहन प्रकाश

मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक रवि कुमार अवस्थी द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला विजय लक्ष्मी नगर परगना खैराबाद तहसील व जनपद -सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, हीवेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में छपे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोटः**-उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादो का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.N.I NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0 -9511151254, E-Mail :- news@swatantraprabhat .com

संक्षिप्त खबरें

चल रही ट्रेन का टूटा इलेक्ट्रिक तार, बड़ा हादसा होने से बचा, 6 पोल के तार टूटकर मेमू ट्रेन के छत पर गिरे

गाजीपुर- (जखनियां) मऊ से छूटी ट्रेन आ रही थी अचानक इलेक्ट्रिक तार टूट कर छूटी ट्रेन पर गिर गया इलेक्ट्रिक तार टूट कर गिरने की खबर पाते ही यात्रियों सहित वहां के लोगों मे अफरा तफरी मच गई लेकिन कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ यात्रियों सहित ग्रामीणों ने राहत की सांस ली यात्री ट्रेन की बोगियों से निकलकर अगल-बगल पेड़ की छांव में निकलकर बैठे देखे गए मौके पर भारी भीड़ इकट्ठा हो गई आज यह घटना सुबह 9बजे हुरमुजपुर किलोमीटर संख्या 103/7 पर हुई।ऑटो कट सिस्टम के कारण बिजली आपूर्ति तुरंत बंद हो गई जिसे ट्रेन में आग लगने की संभावना टल गई।वहीं सादात रेलवे स्टेशन मास्टर ने तुरंत मऊ और औड़िहार रेलवे स्टेशन से टावर बैगन की मांग की रेलवे इंजीनियर के नेतृत्व में मैकेनिकों की टीम ने मरम्मत कार्य शुरू किया ट्रेन करीब डेढ़ घंटे तक वहीं खड़ी रही इस घटना से अन्य ट्रेनों पर भी असर पड़ा रेलवे अधिकारियों ने बताया कि ओएचटी तार मरम्मत में कई घंटे लग सकते हैं डीजल इंजन की व्यवस्था से ट्रेन को आगे भेजने की योजना बनाई जा रही है ।

विद्यालय मर्ज के विरोध में समाजवादी छात्र सभा का प्रदर्शन, डीएम को सौंपा ज्ञापन

गाजीपुर। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रदेशभर में चलाए जा रहे प्राथमिक विद्यालयों के मर्ज अभियान का विरोध अब छात्र संगठनों तक पहुंच गया है। इसी क्रम में आज समाजवादी छात्र सभा के कार्यकर्ताओं ने गाज़ीपुर में ज़ोरदार प्रदर्शन करते हुए ज़िलाधिकारी कार्यालय का घेराव किया और ज्ञापन सौंपा। गौरतलब है कि गाज़ीपुर जनपद में छात्र संख्या 50 से कम वाले लगभग 104 प्राथमिक विद्यालयों को चिन्हित कर उन्हें समीपवर्ती विद्यालयों में मर्ज किया जा रहा है। सरकार का दावा है कि इस प्रक्रिया से शैक्षिक गुणवत्ता और संसाधनों की उपलब्धता बेहतर होगी। हालांकि, समाजवादी छात्र सभा ने इसे शिक्षा के अधिकार और सामाजिक न्याय के खिलाफ बताया है। संगठन के जिलाध्यक्ष अभिषेक कुशवाहा ने आरोप लगाया कि "यह निर्णय गरीब, दलित, पिछड़े, मजदूर और किसान वर्ग के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण और सुलभ शिक्षा से वंचित करने वाला है। सरकार इन वर्गों के बच्चों को शिक्षा से दूर कर, समाज में अज्ञानता और असमानता को बढ़ावा दे रही है।"प्रदर्शन के दौरान छात्रों ने नारेबाज़ी करते हुए कहा कि प्राथमिक विद्यालयों का बंद किया जाना संविधान द्वारा प्रदत्त निशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा के अधिकार का उल्लंघन है। छात्र नेताओं ने मांग की कि सरकार इस निर्णय को तुरंत प्रभाव से वापस ले अन्यथा आंदोलन और तेज़ किया जाएगा। इस मौके पर प्रदर्शनकारियों ने जिलाधिकारी को एक ज्ञापन भी सौंपा जिसमें सरकार की स्कूल मर्ज नीति को वापस लेने की मांग की गई है। प्रदर्शन शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ।

सूचना

अमन तिवारी पुत्र रामपुर निवासी ग्राम महादेव कला परगना तहसील व जिला गोंडा का निवासी हूं अवगत कराना है कि मेरा हाईस्कूल प्रणाम पत्र संख्या 68327747 तथा रोल नंबर 1222415253 है कहीं खो गया है। काफी तलाश करने के बाद भी मुझे नहीं मिल पाया है। यदि किसी को मिलता है तो कृपाया उपरोक्त पते पर भेजने की कृपा करे।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा पुत्र मो0 शादाब मेरा व मेरी पत्नी हसीन बानो का कहना नही मानता है तथा उसके गलत आचरण के कारण मैं व मेरी पत्नी उसको अपनी चल व अचल संपत्ति से बेदखल करते है। उसके द्वारा किये गये कृत्यो व किसी भी कार्य से मेरा व मेरे परिवार का कोई मतलब व सरोकार न होगा वह अपने कृत्यो का एक मात्र जिम्मेदार होगा।

वृक्षारोपण महा अभियान की तैयारियों को लेकर आयुक्त ने किया बैठक

स्वतंत्र प्रभात

गाजीपुर। गाजीपुर 08 जुलाई, 2025 = आयुक्त वाराणसी मण्डल वाराणसी एस राजलिंगम की अध्यक्षता मे जनपद मे ''एक पेड़ माँ के नाम 2.0 वृक्षारोपण महा अभियान की तैयारियों को लेकर अधिकारियों संग बैठक तहसील सैदपुर सभागार मे अयोजित की गयी। बैठक के दौरान आयुक्त महोदय नें 09 जुलाई को होने वाले पौधरोपण के सम्बन्ध में समस्त तैयारियों यथा- विभिन्न विभागों द्वारा लक्ष्य के अनुरूप स्थलों का चिन्हांकन, गडढा खुदान, सम्बन्धित विभाग द्वारा नर्सरी से पौध प्राप्त करने की स्थिति, मा0 जनप्रतिनिधियों द्वारा किये जाने वाले पौधरोपण के स्थलों का चिन्हांकन, वृक्षारोपण कार्यक्रम के अन्तर्गत एकता वन, आक्सी वन शौर्य वन, एक्सपेस वे वृक्षारोपण, त्रिवेणी वन, पवित्र धारा वन , अटल वन, ग्राम वन, बाल वन, एकलव्य वन, गोपाल वन, रक्षाबन्धन वन, युवा वन, एक पेड़ गुरू के नाम, खाद्य वन, शक्ति वन एवं मित्र वन आदि स्थलों का चिन्हांकन आदि के सम्बन्ध जानकारी ली एवं विभिन्न विभागो द्वारा पौध उठान के सापेक्ष शत-प्रतिशत पौधरोपण करने के साथ हरितिमा अमृत ऐप के माध्यम से वृक्षारोपण की जिओ-टैगिंग का निर्देश दिया। उन्होने कहा कि इसमे किसी स्तर की लापरवाही क्षम्य नही होगी जो भी पौध उठान हुए है उसका निर्धारित स्थल पर रोपण किया जाये। उन्होने समस्त विभागों को निर्देशित करते हुए कहा कि सभी विभाग अपने-अपने लक्ष्य के सापेक्ष वृक्षारोपण कराना सुनिश्चित करायें तथा सम्बन्धित क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों को भी वृक्षारोपण कार्यक्रम में आमंत्रित करें। उन्होंने कहा कि पर्यावरण को बेहतर बनाने हेतु वृक्षारोपण कार्यक्रम को सफल बनाने के साथ ही साथ रोपित पौधों को जीवित रखना भी हमारी जिम्मेदारी है, उसे सभी विभाग जिम्मेदारी पूर्वक निर्वहन करें। बैठक के पश्चात आयुक्त महोदय ने तहसील परिसर मे महोबनी का पौधरोपण किया।

बैठक मे प्रभागीय निदेशक सामाजिक वानिकी ने बताया गया कि वर्ष 2025-26 हेतु मा0 मुख्यमंत्री जी के आह्वाहन पर प्रदेश मे 37 करोड़ पौध रोपण का लक्ष्य निर्धारित है जिसकी पूर्ती के लिए 09 जुलाई 2025 को वृहद वृक्षारोपण की तिथि निर्धारित किया गया है। उक्त तिथि को जनपद मे वन विभाग द्वारा 10 लाख 50 हजार व अन्य विभाग द्वारा 33 लाख 14 हजार एक सौ कुल 43 लाख 64 हजार एक सौ पौधो का रोपण जनपद के 28 विभागो एवं जनसहभागिता से किया जायेगा।

उन्होने बताया कि जनपद मे 7931 चयनित स्थलो पर पॉच सबसे बडे लक्ष्य वाले विभाग जिसमे वन विभाग 1050000, ग्राम्य विकास 2130000, राजस्व विभाग कृषि विभाग 571300, उद्यान 221000, पर्यावरण 151000 के अतिरिक्त नगर विकास 23000, रेशम विभाग 23000, उच्च शिक्षा 19000, लोक निर्माण 11000, स्वास्थ्य विभाग 10000, उद्योग विभाग 17000,सहकारिता विभाग 7980 , पशुपालन विभाग 7000, रक्षा विभाग 4000, प्राविधिक शिक्षा 5000, उर्जा विभाग 5320, माध्यमिक शिक्षा 11000, बेसिक शिक्षा 21700, श्रम विभाग 3000, नमामि गंगे एव ग्रामीण जलापूर्ती 12000, गृह विभाग 7000 ओरियन्टल इन्स्ट्रक्चर प्रा0लि0 53800, लक्ष्य निर्धारित किया गया है जिसके सापेक्ष पौधो का शत-प्रतिशत उठान किया जा चुका है। उन्होने बताया कि वन विभाग द्वारा गंगा व उसकी सहायक नदियों के 10 किमी के अन्दर 661601 पौध रोपित किये जायेगे। जनपद मे 1-7 जुलाई के मध्य जन्म लिये बच्चो के माता-पिता को '' ग्रीन गोल्ड सर्टिफिकेट'' के साथ एक पौध भी दिया जा रहा है। इसके साथ ही सहजन भण्डारा कार्यक्रम मे 294 प्रधानमंत्री आवास योजना एवं 2605 मुख्यमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों मे 2-2 सहजन के पौध का वितरण किया रहा है । जनपद के विभिन्न विकास खण्डो मे वर्षाकालीन वृक्षारोपण जन आन्दोलन 2025 के अन्तर्गत निर्धारित तिथियो को मा0 जनप्रतिनिधियों/विशिष्ट अतिथियों की उपथिति मे वन महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन कर पौध रोपित किये जायेगे।

बताया गया कि पौधो के रोपण की सूचना वन विभाग द्वारा प्राप्ति/संकलन के सम्बन्ध मे प्रक्रिया निर्धारित किया गया है। जिसमे विभागो की ग्राम पंचायतवार/नगर निकायवार रोपित पौधो की स्थलवार संकलित सूचना खण्ड विकास अधिकारी द्वारा जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी को प्रेषित करेगे, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी संकलित सूचना मुख्य विकास अधिकारी को मुख्य विकास अधिकारी सूचना अपने हस्ताक्षर से प्रभागीय निदेशक को प्रभागीय निदेशक द्वारा वन विभाग के पी0एम0एस0 पर आन लाईन अपलोड कराया जायेगा तत्पश्चात प्रभागीय निदेशक, मुख्य विकास अधिकारी के माध्यम से प्राप्त संकलित सूचना संरक्षित रखते हुए जिलाधिकारी को अवगत कराते रहेगे। बताया कि वृक्षारोपण महाअभियान हेतु विभिन्न विभागो के नोडल अधिकारी नामित किये गये है तथा इसके लिए जनपद स्तर पर कन्ट्रोल रूम भी बनाये गये है।

पशुओं को बीमारी से बचाने के लिए टीकाकरण व सफाई जरूरी- डा. नमिता जोशी

स्वतंत्र प्रभात

कुमारगंज [अयोध्या] । आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के पशु लोक स्वास्थ्य एवं महामारी विज्ञान विभाग द्वारा जागरूकता अभियान चलाया गया। विश्व जूनोसिस दिवस के अवसर पर यह कार्यक्रम विवि के कुलपति डॉ बिजेंद्र सिंह के दिशा-निर्देशन में मरूई गणेशपुर जूनियर हाई स्कूल के प्रांगण में आयोजित किया गया। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष डॉ नमिता जोशी द्वारा पशुओं से मनुष्यों में फैलने वाले प्रमुख रोग एवं उनके बचाव के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। डॉ नमिता जोशी ने बताया कि पशुओं से मनुष्यों में फैलने वाले रोगों को जूनोटिक रोग कहा जाता है। ये रोग पशुओं से मनुष्यों में विभिन्न तरीकों से फैल सकते हैं, जैसे कि सीधे संपर्क, दूषित भोजन या पानी, या वायु के माध्यम से। डॉ नमिता ने बताया कि रेबीज एक वायरल रोग है जो पागल कुत्तों, बिल्लियों, और अन्य पशुओं के काटने से फैलता है। ब्रुसेलोसिस एक बैक्टीरियल रोग है जो पशुओं से मनुष्यों में दूध, मांस, या अन्य पशु उत्पादों के माध्यम से फैलता है। एवियन इन्फ्लूएंजा (बर्ड फ्लू) एक वायरल रोग है जो पक्षियों से मनुष्यों में फैलता है। डॉ जोशी ने बताया कि पशुओं को संभालते समय दस्ताने पहनें और उनके मल-मूत्र से बचें। साथ ही साथ पशुओं को नियमित रूप से टीकाकरण

करवाएं ताकि वे रोगों से बच सकें। विद्यालय के छात्र-छात्राओं शिक्षक एवं ग्राम प्रधान सहित क्षेत्र के ग्रामीणों ने कार्यक्रम में प्रतिभाग किया।

चकबन्दी कार्यों की समीक्षा बैठक में 5 वर्ष से अधिक पुराने वादों के त्वरित निस्तारण के निर्देश

स्वतंत्र प्रभात

गाजीपुर। जिलाधिकारी एवं जिला उप संचालक चकबन्दी अविनाश कुमार की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में चकबन्दी कार्यो की गहन समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में उप संचालक चकबन्दी ने जानकारी दी कि जनपद की विभिन्न चकबन्दी न्यायालयों में कुल 5931 वाद विचाराधीन हैं, जिनमें से 1764 वाद 5 वर्ष से अधिक पुराने हैं। जिलाधिकारी ने ऐसे वादों के शीघ्र व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए।बैठक में वर्तमान में प्रक्रियाधीन 22 ग्रामों की ग्रामवार समीक्षा की गई। इनमें ताजपुर मांझा ग्राम धारा-7, पांच ग्राम धारा-8, तीन ग्राम धारा-10, चार ग्राम धारा-20, चार ग्राम धारा-24 और पांच ग्राम धारा-27/52 के तहत कार्यरत हैं। दशवन्तपुर व हटवार मुरार सिंह ग्रामों में सीमांकन/कब्जा परिवर्तन की कार्यवाही पूर्ण हो चुकी है जबकि शेष दो ग्रामों में यह कार्य प्रगति पर है।जिलाधिकारी ने चकबन्दी आयुक्त के निर्देशों के अनुसार कब्जा परिवर्तन से जुड़े ग्रामों में 15 जुलाई तक सीमांकन व कब्जा परिवर्तन की कार्यवाही पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने पुराने ग्राम बबुरा व सकरा में धारा-52 (1) के तहत प्रस्ताव निदेशालय भेजने व 30 वर्ष से अधिक पुराने ग्रामों में कार्ययोजना के अनुसार कार्य पूर्ण करने के निर्देश भी दिए।तिलसड़ा व दरवेपुर ग्रामों में उच्च न्यायालय के स्थगन आदेश समाप्त कराने के लिए प्रभावी पैरवी करने के निर्देश भी बैठक में दिए गए। जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों से जन समस्याओं के प्रति संवेदनशील रहते हुए पारदर्शी, निष्पक्ष व समयबद्ध चकबन्दी कार्य सुनिश्चित करने को कहा।बैठक में मुख्य राजस्व अधिकारी आयुष चौधरी, रमजान बख्श, गजाधर सिंह, शिवनाथ पाण्डेय सहित समस्त सहायक चकबन्दी अधिकारी उपस्थित रहे।

कृषि महाविद्यालय में मनाई गई पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चंद्रशेखर जी की 18वीं पुण्यतिथि

●अद्भुत राजनीतिक पुजारी थे स्वर्गीय पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर जी

स्वतंत्र प्रभात

सीतापुर- 8 जुलाई चंद्रभानु गुप्त कृषि स्नातकोत्तर महाविद्यालय में पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चंद्रशेखर की 18वीं पुण्यतिथि मनाई गई। महाविद्यालय प्रबंध तंत्र के महामंत्री डॉ बैजनाथ रावत ने बताया कि चंद्रशेखर जी समाज को नजदीकी से पहचान रखने वाले प्रखरवादी अद्भुत राजनीतिक पुजारी थे। वह समाज की पारंपरिक अपेक्षाओं से बिल्कुल अलग थे कभी दलों को तोड़ने का काम नहीं किया चंद्रशेखर जी बात के बहुत धनी थे और जैसे ही उन्हें पता चला कि वह अल्पमत में है तो उन्होंने प्रधानमंत्री पदसे इस्तीफा दे दिया। महाविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ एस के सिंह ने बताया कि श्रद्धेय चंद्रशेखर जी सदैव जोड़ने की कोशिश करते सफल समाजसेवी थे आज उनकी पुण्यतिथि पर महाविद्यालय में उनकी प्रतिमा पर पुष्पअर्पित कर उन्हें याद किया गया इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर गजेंद्र सिंह, प्रशासनिक अधिकारी शिवमंगल चौरसिया कुलानुशासक डॉ योगेंद्र कुमार सिंह, डॉ सुधाकर सिंह डॉ सुधीर कुमार रघुवंशी, डॉ धर्मेश कुमार सिंह, डॉ अनिल कुमार वर्मा, डॉ रवि शंकर वर्मा, डॉ विवेक वर्मा, डॉ हरीश यादव, डॉ लल्लन प्रसाद यादव, डॉ जसकरन सिंह, डॉ दीप्ति श्रीवास्तव, श्रीमती प्रतिमा सिंह, शिव बहादुर सिंह चौहान एवं राम प्रकाश सहित महाविद्यालय के सभी शिक्षकों कर्मचारियों उपस्थित रहे।

लखनऊ में नशामुक्ति के लिए पदयात्रा 3 अगस्त को

●हिंदुस्तानियों नशा छोड़ो होगा स्लोगन, तैयारियों को लेकर विधायक जयदेवी की अध्यक्षता में हुई बैठक

स्वतंत्र प्रभात

लखनऊ। सरोजिनी नगर विधानसभा के ग्राम सभा बेंती में भारतीय जनता पार्टी लखनऊ जिले के उपाध्यक्ष अमित तिवारी के गेस्ट हाउस पर 3 अगस्त को निकलने वाली नशा मुक्त पद यात्रा की तैयारी बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में कार्यकर्ताओं को बताया गया कि 3 अगस्त को घंटाघर लखनऊ से परिवर्तन चौक तक अंग्रेजों भारत छोड़ो की तर्ज पर हिंदुस्तानियों नशा छोड़ो के तहत पैदल मार्च निकालकर नशा मुक्त भारत का संदेश दिया जायेगा। बैठक में मलिहाबाद की विधायक जय देवी कौशल भी मौजूद रही उन्होंने बताया की पूर्व केंद्रीय मंत्री कौशल किशोर ने युवाओं को नशे से निजात दिलाने के लिए पूरे देश में नशा मुक्ति अभियान चलाकर तमाम युवाओं को नशे की चपेट से बचाया है। यह अभियान उत्तर प्रदेश में ही नहीं बल्कि देश के कई अन्य राज्यों में भी सुचारू रूप से चलाया जा रहा है। जिससे लाखों युवाओं ने नशे को त्याग कर अच्छा जीवन शुरू किया है जिसके चलते आगे भी यह अभियान चलता रहे और देश में लोग नशे से दूर रहे हमारा देश नशा मुक्त बने इसके लिए लगातार कार्यक्रम किया जा रहे हैं। इसी तर्ज पर एक बार फिर से लखनऊ में घंटाघर से परिवर्तन चौक तक नशा मुक्ति रैली पदयात्रा के रूप में निकाली जाएगी। जिसमें हर विधानसभा से 15000 लोगों को पहुंचने कहा आह्वान किया गया है। वही अन्य जनपदों से भी लोग लखनऊ पहुंच रहे हैं। बैठक में वीरेंद्र रावत पूर्व जिला मंत्री, भाजपा सोनू तिवारी, मंडल उपाध्यक्ष सरोजिनी नगर राजू शुक्ला, रामकृष्ण तिवारी मीडिया प्रभारी, संदीप रावत, सूरज रावत, राहुल रावत,आशीष तिवारी, विनय तिवारी, सरवन रावत, बच्चा लाल पासी, कौशल किशोर, मोनू बाजपेई, अतुल मिश्रा, लाल शुक्ला, अवध सुरेश लोधी, सुमित त्रिवेदी, राकेश तिवारी, आशुतोष मिश्रा व सुरेश राजपूत सहित सैकड़ो की संख्या में लोग बैठक में मौजूद रहे।

निजी विद्यालय संघ द्वारा अपार आईडी व शिक्षा की गुणवत्ता पर मंथन

●डेमोक्रेटिक एजुकेशनल सोसाइटी, हरगांव में सम्पन्न हुई बैठक

स्वतंत्र प्रभात

हरगांव (सीतापुर)। प्राइवेट विद्यालय संघ सीतापुर द्वारा संगठनात्मक विस्तार एवं शिक्षा की गुणवत्ता पर केंद्रित एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन डेमोक्रेटिक एजुकेशनल सोसाइटी, हरगांव में किया गया। बैठक की अध्यक्षता संघ के अध्यक्ष राम नरेश शुक्ल ने की, जबकि संचालन उपाध्यक्ष अशोक अवस्थी द्वारा किया गया। इस अवसर पर हरगांव व एलिया ब्लॉक के लगभग 30 विद्यालयों के प्रधानाचार्य एवं प्रबंधकों ने भाग लिया। कार्यकारिणी सदस्य सत्यनारायण अवस्थी ने संगठन के विस्तार, विद्यालयों की प्रगति तथा छात्रों की गुणवत्तापरक शिक्षा सुनिश्चित करने पर विस्तृत चर्चा की। एलिया ब्लॉक के संगठन उपाध्यक्ष मुख्तार अहमद ने यू-डाइस प्लस व अपार आईडी प्रणाली में आने वाली तकनीकी व व्यावहारिक समस्याओं पर प्रकाश डालते हुए उनके समाधान प्रस्तुत किए। बैठक में नीरज मिश्र, अवनीश दीक्षित, श्याम बाबू, निर्मल कुमार, शुभम, व कोषाध्यक्ष राकेश सिंह ने भी अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम में अंकुर पांडे, आफताब आलम, दिलीप शुक्ला, पुनीत वर्मा, रामजीवन, चेतराम, हरीश कुमार, विमलेश, आशीष यादव, रामशंकर, मधुराम सहित अनेक गणमान्य शिक्षाविदों ने भाग लिया और संगठन के प्रति सक्रिय सहभागिता का संकल्प लिया।

प्राथमिक शिक्षको का विरोध प्रदर्शन स्कूलों के विलय और पुराना पेंशन समेत 10 मांगो को लेकर डीएम को सौंपा ज्ञापन

स्वतंत्र प्रभात

सीतापुर - जनपद सीतापुर में प्राथमिक विद्यालयों को जबरन बंद किए जाने और पेयरिंग नीति के विरोध में प्राथमिक शिक्षक संघ के पदाधिकारियों ने मंगलवार को जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान शिक्षकों ने मुख्यमंत्री को संबोधित 10 सूत्रीय मांग पत्र जिलाधिकारी के माध्यम से सौंपा ज्ञापन के माध्यम से शिक्षकों ने कहा गया कि प्रदेश भर में 150 से कम और 100 से कम छात्र संख्या वाले प्राथमिक व उच्च प्राथमिक विद्यालयों को बिना व्यापक जनसुनवाई के बंद किया जा रहा है। इससे न सिर्फ छात्रों को दूरस्थ विद्यालयों तक जाना पड़ेगा बल्कि हजारों प्रधानाध्यापक अध्यापक और रसोइयों की सेवा भी समाप्त हो जाएगी शिक्षकों ने 30 जून को 822 ब्लॉकों में आयोजित बैठकों का हवाला देते हुए कहा कि जनप्रतिनिधियों और अभिभावकों ने भी इस निर्णय का एक स्वर में विरोध किया है। संघ की प्रमुख मांगों में पुरानी पेंशन व्यवस्था लागू करना पेयरिंग/मर्जर प्रक्रिया रोकना सभी विद्यालयों में प्रधानाध्यापक की तैनाती कैशलेस चिकित्सा सुविधा और शिक्षकों को बीएलओ ड्यूटी से मुक्त करने जैसी मांगें शामिल हैं इसके अलावा आकांक्षी जनपदों में कार्यरत शिक्षकों का स्थानांतरण और मृत शिक्षकों के योग्य आश्रितों को नियुक्ति देने की मांग भी प्रमुख है शिक्षकों ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने शीघ्र कोई सकारात्मक निर्णय नहीं लिया तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा!!

एक बार फिर तेंदुए की दस्तक ग्रामीणों में दहशत

●लोकेशन ट्रेस करने के लिए कांबिंग कर रही वन विभाग की टीम

स्वतंत्र प्रभात

लहरपुर - सीतापुर के लहरपुर तहसील क्षेत्र में एक बार फिर तेंदुए की मौजूदगी से लोगों में डर का माहौल है उमरिया और शेखनापुर गांव के बीच खेत में तेंदुआ देखा गया है डायल 112 की पुलिस टीम रात में गश्त कर रही थी खेतों से आहट सुनकर पुलिसकर्मियों ने टॉर्च की रोशनी डाली खेत में एक तेंदुआ टहलता दिखाई दिया। पुलिसकर्मियों ने मोबाइल से वीडियो बना लिया कुछ देर बाद तेंदुआ घनी झाड़ियों में चला गया कोतवाल लहरपुर विजेंद्र सिंह ने वीडियो की पुष्टि की है वन विभाग ने बच्चों और पशुओं को अकेले खेत में न भेजने की अपील की है। रेंजर अभिषेक सिंह ने बताया कि वन विभाग की टीमें अलर्ट हैं तेंदुए की लोकेशन ट्रेस करने के लिए कांबिंग की जा रही है एक माह पहले भी इसी इलाके में तेंदुआ दिखा था वन विभाग की टीम ने पीलीभीत और दुधवा की संयुक्त कार्रवाई में तेंदुए को ट्रैंकुलाइज कर बहराइच के जंगलों में छोड़ा था प्रशासन ने लोगों से सतर्क रहने की अपील की है!!

स्कूल की फिटनेस समाप्त वाहनों का सार्वजनिक मार्ग पर संचालन कदापि न किया जाय-एआरटीओ

●विद्यालयों में संचालित वाहनों के चालकों का ड्राइविंग लाइसेंस व चरित्र सत्यापन करायें

स्वतंत्र प्रभात

प्रतापगढ़। सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन) बी0के0 सिंह ने बताया है कि कार्यालय अभिलेखानुसार जनपद प्रतापगढ़ में विद्यालय में संचालित 493 वाहनों की फिटनेस समाप्त हो गयी है। उन्होने सम्बन्धित सभी विद्यालयों में प्रधानाचार्यो/प्रबन्धकों को सूचित किया है कि उनके द्वारा अपने स्कूल की फिटनेस समाप्त वाहनों का सार्वजनिक मार्ग पर संचालन कदापि न किया जाये। यदि स्कूल के बच्चों को ले जाते हुये अथवा किसी अन्य उद्देश्य से सार्वजनिक मार्ग पर संचालित पायी जाती है तो सम्बन्धित के विरूद्ध विधिक कार्यवाही सम्पादित की जायेगी एवं किसी ऐसी फिटनेस समाप्त वाहन से कोई घटना कारित होती है तो उसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी विद्यालय के प्रबन्धक/प्रधानाचार्य की होगी। सभी प्रधानाचार्यो/प्रबन्धकों को सूचित किया है कि वह अपने विद्यालयों में संचालित वाहनों के चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस का सत्यापन परिवहन विभाग एवं चरित्र का सत्यापन पुलिस विभाग से कराना सुनिश्चित करें।

संक्षिप्त खबरें

कस्बा के फीडर से विद्युत आपूर्ति से खुशी

सिद्धार्थनगर। उसका बाजार नगर पंचायत क्षेत्र के कृष्णा नगर वार्ड के मोहल्ला रेहरवा, चौबाहेडीह आदि में अभी तक ग्रामीण क्षेत्र की की फीडर से विद्युत आपूर्ति हो रही थी। सभासद पूनम त्रिपाठी और इनके प्रतिनिधि अभिषेक त्रिपाठी के अथक प्रयास से यह अब नहर क्षेत्र की फीडर से विद्युत आपूर्ति शुरू हुई है। सभासद प्रतिनिधि अभिषेक त्रिपाठी ने बताया कि एक ही वार्ड में ग्रामीण और कस्बा क्षेत्र की विद्युत आपूर्ति से नागरिकों में काफी रोष था। कुछ मुहल्लो में बिजली रहती थी तो कुछ में नही । वार्ड के सभी मुहल्ले के उपभोक्ताओं का अब उसका बाजार विद्युत उपकेंद्र से कस्बा की लाइन से आपूर्ति शुरू हो गई है। इसके लिए काफी समय से विद्युत विभाग के अधिकारियों को पत्र भेज कर मांग की जा रही थी। पूरे वार्ड में कस्बा के फीडर से विद्युत आपूर्ति शुरू होने से नागरिकों में काफी खुशी है।

विशाल भंडारे का किया गया आयोजन

बिसवां- सीतापुर प्राचीनतम और ऐतिहासिक शिव मंदिर मंगरहिया बाजार (धनुष वाला) का जीर्णोद्धार 28 जून 2023 आषाण शुल्क पक्ष दशमी विक्रम संवत 2080 को सम्पन्न हुआ था। मंगलवार को मंदिर के जीणोद्धार के दो वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया ।प्रातः से शिव भक्तों ने शिव जी का पूजन अर्चन प्रारम्भ कर दिया था। भारी संख्या में उपस्थित शिव भक्त भजन कीर्तन कर रहे थे। इस अवसर पर आयोजक मंडल के अशोक अग्रवाल ने श्रद्धालुओं का स्वागत किया। इस अवसर पर मुख्य रूप से प्रखर वैश्य रमाशंकर मिश्रा विजय रस्तोगी प्रफुल रस्तोगी अनुराग सिंह प्रेम यादव रामअधार रस्तोगी सहित सैकड़ो की संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

मामूली बात को लेकर पीटने को लगाया आरोप, पुलिस से शिकायत

लालगंज (रायबरेली)। कोतवाली क्षेत्र के कुंभडौरा गांव के रहने वाले दीपू पासी ने पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर दो लोगों पर मामूली बात को लेकर मारपीट करने का आरोप लगाया। पीड़ित ने बताया कि वह अपने साथी के साथ साइकिल से अपने गांव लौट रहा था। तभी गांव के निकट मोड़ पर सामने से आ रहे एक व्यक्ति की साइकिल से उसकी टक्कर हो गई। आरोपी साईकिल का रिम टेढ़ा कर देने की उलाहना देते हुए उससे सौ रुपये भी लिए। इसके बावजूद गाली गलौज करते हुए उसके साथ मारपीट की। बीच बचाव कर रहे उसके साथी को पीटा। प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि मामला जानकारी में नहीं है तहरीर मिलने पर जांच कर कार्यवाही होगी।

दो मोटरसाइकिलों में हुई टक्कर एक 28 वर्षीय युवक गंभीर रूप से घायल जिला रेफर

महराजगंज/रायबरेली- कोतवाली क्षेत्र के कुसुढी सागरपुर चौराहे के पास दो मोटरसाइकिलों के आमने-सामने हुई टक्कर में एक 28 वर्षीय युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। राहगीरों व स्थानीय लोगों की मदद से सूचना पर पहुंची 108 एंबुलेंस पर लादकर घायल को सीएचसी महराजगंज लाया गया, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसकी स्थिति को गंभीर देखते हुए उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। आपको बता दें कि,घटना महराजगंज कोतवाली क्षेत्र के कुसुढ़ी सागरपुर चौराहे के पास की है, आज मंगलवार 8 जुलाई 2025 को सुबह लगभग 8:00 बजे हलोर कस्बा निवासी उमेश कुमार (28) पुत्र मैकूलाल अपनी मोटरसाइकिल से किसी काम के लिए महराजगंज आ रहा था, जैसे ही वह कुसुढ़ी सागरपुर चौराहे के पास पहुंचा, महराजगंज की तरफ से जा रहे मोटरसाइकिल सवार की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में हलोर निवासी युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, चीख पुकार सुनकर स्थानीय लोगों और राहगीरों की सूचना पर घटनास्थल पर पहुंची 108 एंबुलेंस पर लादकर उसे सीएचसी लाया गया, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसके दाहिना पैर मे फैक्चर होने की वजह से उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया है। मामले में कोतवाल जगदीश यादव का कहना है कि, घटना की जानकारी मिली है, अगर पीड़ित परिजनों द्वारा तहरीर मिली तो आवश्यक विधिक कार्यवाही की जाएगी।

श्रीभूमि जिले के दरगारबंद जीपी कार्यालय में माला सिन्हा और सभी वार्ड सदस्य का स्वागत समारोह कार्यक्रम संपन्न

स्वतंत्र प्रभात

श्रीभूमि जिले के दुल्लभछड़ा विकास खंड के अंतर्गत स्थित दरगारबंद जीपी के 8 नंबर वार्ड से बिना किसी प्रतियोगिता के विजयी माला सिन्हा अन्य विजयी वार्ड सदस्यों और सदस्यों के साथ (सोमवार) 7 जुलाई को पति दीपन सिन्हा से आशीर्वाद लेकर शुभ समय पर कार्यालय में प्रवेश करती हैं। वार्ड सदस्य क्रमशः 1 नंबर वार्ड की मनिका हलदार, 2. दीपा सिन्हा, 3. श्याम कुमार सिन्हा, 4. मिताली सिन्हा, 5. कावेरी सिन्हा, 6. उत्तम सिन्हा, 7. चंद्र बाबू सिंह, 8. माला सिन्हा, 9. विमल सिन्हा, 10. कनक बाला दास के साथ उपस्थित थे एपी सदस्य सुरेंद्र कुमार सिन्हा, जीपी के पूर्व अध्यक्ष हेमेंद्र चाटार्जी, अध्यक्ष देवाशीष सिन्हा, रिटायर्ड एडीसी नीलमणि दास, समाजसेवी शुभेंदु शेखर दास, संपद लाल बर्दिया, बाबुल भौमिक, टीएस आईडेल पॉइंट के अध्यक्ष सूरजीत सिन्हा, रिटायर्ड अध्यक्ष ब्रज गोपाल सिन्हा, रिंकू सिंह राय, पातियाला जीपी के पूर्व अध्यक्ष दीपु सिन्हा समेत विशिष्ट व्यक्ति मौजूद थे। समाजसेवी मनोरंजन सिन्हा के नेतृत्व में आयोजित सभा की शुरुआत में सभानेत्री माला सिन्हा के साथ वार्ड सदस्य और शुभ चिन्तक को तोलिया का साथ स्वागत किया गया। नव-निर्वाचित सभानेत्री के लिए व्यक्तिगत रूप से दुल्लभछड़ा सहकारी समिति के सचिव और समाज सेवक दीपन सिन्हा ने फर्नीचर बैठने के लिए चेयर के साथ कार्यालय में रंग करने के लिए कई लोगों में उनकी प्रशंसा की। विभिन्न स्रोतों से मिली जानकारी के अनुसार क्षेत्र के शुभ चिन्तक विजय कृष्ण सिन्हा ने उक्त जीपी स्थापित करने के लिए भूमि दान की थी। लेकिन उस समय के दरगारबंद जीपी अध्यक्ष उत्पल सिन्हा की कोशिशों में जीपी घर निर्माण का कार्य पूरा किया गया। अभी भूमि दाता जीवित नहीं हैं हालांकि सभा के दिल में उनका नाम याद रखा गया। सभा में उपस्थित विभिन्न वक्ताओं ने जब अपने विचार व्यक्त किए, तब कहा कि जनताओं की समस्या समाधान का एकमात्र भरोसा गांव पंचायतें हैं, जिनकी भूमिका अपार है और जिन्हें जनसभा का नाम दिया गया है। और सदस्यों को बूथ स्तर के एमपी कहा जाता है। जहां सामान्य नागरिक की राय को महत्व दिया जाता है। इसके अलावा सभा में प्रत्येक वार्ड में मैंबर दल के बूथ प्रेसिडेंट और समाज चिन्तक के साथ समिति गठन के प्रस्ताव रखा गया।

पुलिस मुठभेड़ में 25 हजार का इनामी ,शातिर चोर के पैर में लगी गोली गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात

सिद्धार्थनगर । एसओजी, थाना लोटन व थाना मोहाना पुलिस की संयुक्त टीम व बदमाश के बीच हुई मुठभेड़, के दौरान 25,000/- का इनामी टॉप-टेन शातिर अपराधी के पैर में लगी गोली, जिसे घायलावस्था में किया गया गिरफ्तार अभियुक्त के कब्जे से 01 अदद अवैध तमंचा 315 बोर, 01 अदद जिन्दा कारतूस व 01 अदद खोखा कारतूस तथा 01 अदद मोटर साइकिल व 01 अदद मोबाइल फोन हुआ बरामद।अभिषेक महाजन पुलिस अधीक्षक के आदेश के तहत अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के अन्तर्गत प्रशान्त कुमार प्रसाद अपर पुलिस अधीक्षक के कुशल निर्देशन में व मयंक द्विवेदी क्षेत्राधिकारी सदर के कुशल पर्यवेक्षण में दिनेश कुमार सरोज थानाध्यक्ष लोटन व रोहित उपाध्याय थानाध्यक्ष मोहाना व जीवन त्रिपाठी प्रभारी एसओजी की संयुक्त टीम द्वारा सोमवार की रात्रि को अपराध एवं अपराधियो के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत संयुक्त चेकिंग के दौरान जनपद के थाना ढेबरूआ, गोल्हौरा, त्रिलोकपुर व खेसरहा से विभिन्न मुकदमे में वांछित तथा 25,000/- इनामिया, जनपद का टॉप 10 शातिर अपराधी सिराजुद्दीन उर्फ़ बबलू पुत्र ओवैदूर्रहमान निवासी बर्डपुर गोसाईगंज थाना मोहाना की संयुक्त पुलिस टीम व बदमाश में मुठभेड़ हुई, अभियुक्त सिराजुद्दीन उर्फ़ बबलू ने पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायर कर दिया, जिसमें थानाध्यक्ष लोटन बाल-बाल बच गये, पुलिस टीम द्वारा आत्मरक्षार्थ जबाबी कार्रवाई में अभियुक्त के पैर में गोली लगी, जिसे घायलावस्था में लोटन-ठोठरी मार्ग पर महदेईया मोड़ के पास से गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त द्वारा पुलिस पर अवैध असलहे से फायर करने अन्य बरामदगी के आधार पर थाना लोटन में मु0अ0स-86/2025 धारा 109(2) बी एनएस व 3/25, 5/27(1) आर्म्स एक्ट पंजीकृत किया गया तथा आवश्यक विधिक कार्यवाही की गई ।

दिल्ली कमेटी आम चुनाव का बजा बिगुल

● शिरोमणी अकाली दल ने प्रधानमंत्री का किया धन्यवाद

यह दिल्ली के सत्ता मदमस्त लोगों की नैतिक हार - सरना-जी.के

स्वतंत्र प्रभात

नई दिल्ली - नई दिल्ली (8 जुलाई 2025) दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के आम चुनाव का बिगुल बजने का शिरोमणी अकाली दल ने स्वागत किया है। शिरोमणी अकाली दल दिल्ली इकाई के अध्यक्ष परमजीत सिंह सरना तथा दल के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष मनजीत सिंह जी.के. ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का इस संबंध में धन्यवाद करते हुए बताया कि हमने 23 जून को दिल्ली कमेटी की सदस्यता से अपना इस्तीफा प्रधानमंत्री कार्यालय को सौंपा था। अपने इस्तीफा पत्र में हमनें प्रधानमंत्री जी को सिख धार्मिक स्वायत्तता पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता तथा दो मंत्रियों प्रवेश वर्मा तथा मनजिंदर सिंह सिरसा के द्वारा किए जा रहे सरकारी हस्तक्षेप से अवगत कराया था। साथ ही दिल्ली के उपराज्यपाल द्वारा आम चुनावों की जगह 25 जून को कमेटी के आंतरिक चुनाव करवाने का विरोध भी किया था। जिसके बाद अब दिल्ली गुरुद्वारा चुनाव निदेशालय के द्वारा आम चुनावों के लिए नई फोटो वाली सूची बनाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है दिल्ली कमेटी के पूर्व अध्यक्ष रहें दोनों अकाली नेताओं ने बताया कि दिल्ली गुरुद्वारा चुनाव निदेशालय के द्वारा 3 जुलाई को जारी पत्र के माध्यम से सभी 46 वार्डों के जोनल/ ई.आर.ओ. दफ्तरों का पता, 23 जोनों के 12 ई.आर.ओ तथा 46 ए.ई.आर.ओ के नाम जारी कर दिए गए हैं। हालांकि इस बारे जारी 46 वार्डों के जोनल/ ई.आर.ओ. दफ्तरों में कई जगह पुराने दफ्तरों को बदला गया है। साथ ही दो इतिहासिक गुरुद्वारों माता सुंदरी जी तथा दमदमा साहिब के साथ दिल्ली कमेटी के प्रबंध वाले 3-4 अन्य स्थानीय गुरुद्वारों को भी जोनल/ ई.आर.ओ. दफ्तर बनाया गया है। उक्त नेताओं ने कहा कि दिल्ली सरकार तथा दिल्ली कमेटी के अघोषित गठजोड़ के बावजूद प्रधानमंत्री मोदी द्वारा सख्ती से दिल्ली कमेटी के आम चुनावों की रुकावट को हटाना दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश की परिपालना में भी सहायक साबित होगा। यह दिल्ली के उन सत्ता मदमस्त लोगों की नैतिक हार है, जो सरकार के सहारे दिल्ली कमेटी पर अवैध तरीके से अपना कब्जा बरकरार रखने का ख्वाब लें रहें थे।

असम श्रीभूमि जिले के विद्यानगर में शांति और व्यवस्था के बीच पवित्र मोहर्रम उत्सव सम्पन्न

● श्रीभूमि सांसद कृपानाथ मालाह मोहर्रम में उत्सवमुखर होकर आनंद उल्लास में जुट गए।

स्वतंत्र प्रभात

असम- जात-पात का कोई प्रश्न नहीं है। हिंदू मुसलमान बगैर किसी भेदभाव के सभी मोहर्रम कार्यक्रम का आनंद लेते हैं। रविवार गत 6 जुलाई को श्रीभूमि जिले के अपने क्षेत्र विद्यानगर चाय बागान में हुए मोहर्रम उत्सव में श्रीभूमि के सांसद कृपानाथ मालाह शामिल हुए। सांसद की उपस्थिति में आयोजकों और उपस्थित दर्शकों ने उल्लास प्रकट किया। इस कार्यक्रम में शामिल होकर सांसद कृपानाथ मालाह बहुत खुश थे। उन्होंने पत्रकारों को बताया कि वह बचपन से हर साल विद्यानगर में मोहर्रम उत्सव होता देख रहे हैं। वर्तमान में विद्यानगर बागान के अलग-अलग चार पाड़ों में मोहर्रम का ताजिया बनाया जाता है। क्षेत्र का सबसे बड़ा और पुराना ताजिया 3 नंबर लाइन में अपने घर के पास बनाया गया है। बालूटिला, पहले नंबर और चुनातिगुल मिलाकर अब वर्तमान में चार स्थानों पर ताजिया बनाया गया है। दृष्टि उत्तम जुलूस चायघर के सामने लाया जाता है। वहाँ 3 नंबर लाइन के ताजिया को अन्य ताजिया के साथ अभिवादन किया जाता है। इसके बाद सबसे पहले 3 नंबर लाइन के ताजिया के पीछे अन्य ताजिया को जुलूस के साथ विद्यानगर नाचघर के मैदान में लाया जाता है। एक-दूसरे के साथ सजाकर लाठि खेल, जरिगान, मातम जरी और तलवार खेल का प्रदर्शन शुरू होता है। मनोहर उस दृश्य को देखने के लिए पड़ोसी गाँवों से हिंदू मुस्लिम सैकड़ों दर्शक आते हैं। परंपरागत इस प्रथा में भाग लेना बहुत अच्छा लगता है, यह बताते हैं सांसद कृपानाथ मालाह। जमी-जमाट इस आयोजन को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न करने में रामकृष्णनगर पुलिस प्रशासन और सशस्त्र बल तत्पर थे। इस बीच सांसद कृपानाथ के सामने विद्यानगर जीपी के पूर्व एपी सदस्य अजीजुर रहमान कहते हैं कि पहले जैसा लोगों के साथ गल मिल जाते हैं और उनको अपना बना लेते हैं उनका व्यवहार के लिए सांसद कृपानाथ मालाह को अल्पसंख्यक लोग प्यार करते हैं। व्यक्तिगतता और सौम्य व्यवहार के लिए अल्पसंख्यक सांसद कृपानाथ मलाह को आंतरिक रूप से प्यार करते हैं। वे कहते हैं, असम के सभी समय के सबसे अच्छे मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व शर्मा के साथ जब सांसद कृपानाथ मालाह भाजपा में आते हैं। तब राताबाड़ी क्षेत्र के हजारों अल्पसंख्यक लोग कृपानाथ मालाह के समर्थन में बीजेपी को वोट देते हैं। वर्तमान में भी अल्पसंख्यक सांसद के साथ हैं। यहां तक कि सांसद कृपानाथ मालाह को गांव के अल्पसंख्यक अपने अभिभावक के रूप में मानते हैं। हर बार की तरह इस बार भी विद्यानगर में आयोजित मोहरम उत्सव में भाग लेकर सांसद कृपानाथ मालाह ने अपनी महानता का परिचय दिया। इसके लिए आयोजकों की तरफ से सांसद मालाह के प्रति धन्यवाद ज्ञापन करते हैं विद्यानगर के पूर्व एपी सदस्य आजिजुर रहमान।

पं. राम शंकर मिश्र की 15वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा सम्पन्न

स्वतंत्र प्रभात

सिद्धार्थनगर। बुद्ध विद्यापीठ स्नातकोत्तर महाविद्यालय नौगढ़, सिद्धार्थनगर में स्व. पंडित राम शंकर मिश्र की 15वीं पुण्यतिथि श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई गई। स्व.पंडित राम शंकर मिश्र बुद्ध शिक्षा परिषद्, बर्डपुर के संस्थापक थे, जिसके अंतर्गत बुद्ध विद्यापीठ पी.जी. कॉलेज, बुद्ध विद्यापीठ इंटर कॉलेज बर्डपुर, नेहरू इंटर कॉलेज ककरहवा, तथा बुद्ध बालिका डिग्री कॉलेज जैसे प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थान संचालित हो रहे हैं। कार्यक्रम में बुद्ध शिक्षा परिषद् के प्रबंधक राजेश चंद्र शर्मा, प्राचार्य डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव, नगर पालिका परिषद सिद्धार्थनगर के अध्यक्ष गोविंद माधव, तथा विशिष्टअतिथियों में प्रह्लाद पांडेय, प्रकाश चंद्र चौधरी, राणा प्रताप सिंह, जय शंकर मिश्र, रामकृष्ण पांडेय, उत्सव तिवारी, डॉ. विनय कान्त मिश्र, अबरार अहमद, रवींद्र कुमार, राम कृष्ण पाण्डेय, राहुल चौधरी, और रामचंद्र यादव उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान नगर पालिका परिषद सिद्धार्थनगर के अध्यक्ष गोविंद माधव ने स्व0 पंडित राम शंकर मिश्रा की एक आदम का मूर्ति सोहांस मोड चौराहे पर स्थापित किये जाने की घोषणा की जाएगी सभी वक्ताओं ने स्व. मिश्र जी के शिक्षा, संस्कृति और समाज सेवा के क्षेत्र में योगदान को स्मरण करते हुए कहा कि उन्होंने अपने जीवन को ग्रामीण अंचल में शिक्षा की अलख जगाने में समर्पित कर दिया। उनके कार्य आज भी विद्यार्थियों और शिक्षकों के लिए प्रेरणा स्रोत हैं। उधर बुद्ध विद्यापीठ इंटर कॉलेज के प्रांगण में श्रद्धांजलि सभा का आयोजित की किया गया, जिसमें विद्यालय के प्रधानाचार्य एवं समस्त शिक्षकों/शिक्षणेत्तर कर्मचारियों ने प्रतिभा किया और स्व0 पंडित राम शंकर मिश्रा जी के योगदान को याद किया।

धेमाजी में दल संगठन के साथ पत्रकारों के प्रदर्शन

● पत्रकार माधुर्य सैकिया पर किए गए हमलावरों को गिरफ्तार कर न्याय देने की मांग ।

स्वतंत्र प्रभात

असम, धेमाजी - प्राग सहयोगी न्यास की आह्वान में आज धेमाजी जिले काछारी मैदान के आंगन में धेमाजी के विभिन्न दल संगठनों की सामुहिक प्रदर्शन। उल्लेखनीय हे कि जीटी गत 4 जुलाई को धेमाजी जिले की डिमो में नव गठित सीमेन सीसी टंगानी विकास खंड के कार्यालय आंगन में पंचायत समिति गठन कार्यक्रम का खबर लेते बक्त बदमाशों के एक समूह ने सिलापथार के प्राग न्यूज के पत्रकार मधुर्या शैकिया के मोबाइल छीन लिया और एक बदमाशों की दल ने हमला कर दिया। पुलिस ने घटनास्थल से माधुर्य को उद्धार कर सिलापथार थाने ले आया, थाने में माधुर्ज्य ने एक स्थानीय छात्र संगठन टी एम पि के की दो नीता के कहने पर सैकिया के उपर हमला हुए कहकर एक मामला दर्ज कराया। घटना के 24 घंटे बीत जाने के बाद अरुण चुंगक्रांग, रंजीत इयन ,विजय पेगु और चिलचिलाई मिलि सहित सात आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया । दूसरी ओर माधुर्य को आक्रमण करने की आरोप में पूछताछ के लिए धेमाजी सदर थाने में लाया गया लोगों की परिवारों के लोगों का कहना है कि घटना की दिन उपर में नाम उल्लेखित कई भी घटना स्थल में मौजूद नहीं था। इधर माधुर्य द्वारा दर्ज कराया गया मामला अनुसार और वीडियो फुटेज में दिखाई दे रही आक्रमणकारियों को गिरफ्तार की मांग में धेमाजी सदर कचारी मैदान की आंगन में असम के विभिन्न प्रांत के प्राग चैनल, ओर दैनिक जन्मभूमि,के पत्रकारों, सहित असम जातीयतावादी युवा छत्रा परिषद , चुटिया छात्र संघ, नागरिक सुरक्षा मंच, धेमाजी जिला कांग्रेस, महिला कांग्रेस के पदाधिकारियों सहित कई संगठनों के पदाधिकारियों ने भाग लिया। प्रदर्शन कार्यक्रम में प्राग न्यूज के मुख्य सम्पादक प्रशांत राजगुरु, ने भाग लेकर कहा कि जबतक पुलिस ने मूल आरोपियों को गिरफ्तार नहीं करेगी हमारा प्रदर्शन जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि जिला पुलिस अधीक्षक और राज्य के डीजीपी से उन्होंने इस मामले में बात किया हे , पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार करने की आश्वासन दिया है। लेकिन घटना के 4 दिन बाद भी मूल आरोपियों को गिरफ्तार ना कर पाना पुलिस पर राजनितिक दबाव होने का संदेश किया। प्रदर्शन कार्यक्रम प्राग न्यूज के कार्यकारी संपादक देवजीत भुइयां, दैनिक जन्मभूमि के मुख्य सम्पादक संजीव कुमार फूकन सहित प्राग- जन्मभूमि पेपर के सौ से अधीक पत्रकार सहित चार सौ से अधीक लोग शामिल होकर पत्रकारों की सुरक्षा की मांग में हाथों प्ले कार्ड लेकर नारेबाजी कर माधुर्य सैकिया पर किया आक्रमण के आरोपियों को गिरफ्तार कर न्याय दिलाने की मांग की।

बारिश न होने से उमस भरी गर्मी से जनजीवन बेहाल, किसानों के खेत की रोपाई भी प्रभावित

स्वतंत्र प्रभात

सिद्धार्थनगर। बरसात का महीना चल रहा है और बुद्ध की धरती से बारिश रूठी हुई है। बारिश न होने से उमस भरी गर्मी से जनजीवन बेहाल हो रहा है। धूप ऐसी निकल रही है कि घर के बाहर निकलने वालों का सिर चकरा जा रहा है। आसमान में बादलों की काली घटा तो दिखाई दे रहा है लेकिन बगैर बरसे लौट जा रहा है। बारिश न होने से किसानों की रोपाई प्रभावित हो रही है। बिजली कटौती भी उमस भरी गर्मी में शहर से लेकर ग्रामीण इलाकों के लोगों को परेशान किए है। जिले में अब तक एक भी दिन ऐसा नहीं हुआ जब एक घंटे भी लगातार मूसलाधार बारिश हुई। बारिश हुई है इससे इंकार नहीं लेकिन दो से 10 मिनट वाली वह भी हल्की बरसात जो उमस को और बढ़ा दे रही है। आसमान में हर दिन बादलों का डेरा दिखता है।

कभी भूरे तो कभी काले बादल आते रहते हैं इससे लगता है कि अगले कुछ देर में बारिश हो जाएगी लेकिन वह बिना बरसे लौट जा रहे हैं। बारिश न होने से एक ओर जहां आम जनजीवन उमस भरी गर्मी से बेहाल है वहीं किसान परेशान हैं। धान की रोपाई करने में दिक्कत आ रही है। उन्हें पानी चलाकर रोपाई करनी पड़ रही है इससे उन पर अतिरिक्त खर्च को बोझ पड़ रहा है। किसान शेर खान का कहना है कि पंपसेट से खेत में पानी चलाया है। पलेवा करने के बाद रोपाई करेंगे। रोपाई के बाद भी बारिश नहीं हुई तो फिर पानी चलाना मजबूरी होगी क्योंकि रोपी गई बेहन पीली पड़ने का खतरा बना रहेगा। वहीं दूसरी ओर सुबह से ही सूरज निकल कर आग उगलने लग रहा है। जैसे-जैसे दिन चढ़ता जाता है उसकी तपिश बढ़ती जाती है। इतनी तेज धूप हो रही है कि घर से बाहर लोग निकलने से बच रहे हैं जो निकल भी रहे हैं वह धूप की तपिश से चकरा जा रहे हैं।

राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं गोवा प्रभारी मनीष जगन अग्रवाल मार्ग दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल

स्वतंत्र प्रभात

बिसवां - सीतापुर समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता समाजवादी व्यापार सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं गोवा प्रभारी मनीष जगन अग्रवाल विगत दिवस दिल्ली से लौटते समय लखनऊ आगरा एक्सप्रेस हाईवे पर मार्ग दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गए थे। मनीष अग्रवाल बिसवां के निवासी हैं उनके घायल होने का समाचार सुनकर नगर वासियों ने उनके स्वास्थ्य लाभ की कामना की। बताते चले कि विगत दिवस सुशांत गोल्फ सिटी लखनऊ स्थित उनके आवास पर पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भी पहुंचकर उनके स्वास्थ्य का हाल-चाल लिया और शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की।

एक बार फिर चोरों ने दी पुलिस को चुनौती, छः हजार नगदी समेत करीब तीन लाख का जेवरात उड़ाया

●त्रिलोकपुर थाना क्षेत्र के हटवा में एक माह में दूसरे घर को बनाया निशाना

स्वतंत्र प्रभात

सिद्धार्थनगर। त्रिलोकपुर थाना क्षेत्र में लगातार चोरों के द्वारा चोरी की घटना को अंजाम दे कर पुलिस को चुनौती दी जा रही है, मगर पुलिस अभी तक चोरी के घटना को रोकने में नाकाम साबित हुई है।पिछले एक माह में थाना क्षेत्र में हुए चोरी के घटनाओं का अभी खुलासा नहीं हुआ है वहीं सोमवार की रात हटवा गांव के एक घर को निशाना बनाया जहां छः हजार नगदी समेत करीब तीन लाख रुपए कीमत तक के जेवरात को लेकर रफूचक्कर हो गए। मंगलवार को सुबह चोरी के घटना की जानकारी परिजनों को हुई तो पुलिस को सूचना दी मौके पर पहुंची पुलिस जांच में जुट गई है।

त्रिलोकपुर थाना क्षेत्र के हटवा गांव निवासी रामदीन गुप्ता व उनकी पत्नी सोमवार की रात भोजन कर बाहर सोए थे,तथा पुत्र बधु घर के भीतर सोई थी। मंगलवार को सुबह करीब पांच बजे पुत्र बधु जगी तो देखा कि कमरे में रखा कपाट का लाक टूटा और सामान बिखरे पड़े थे। तत्काल उसने चोरी की सूचना ससुर रामदीन को दी और पूरे घर को देखा तो कपाट में रखा करीब तीन लाख रुपए कीमत के जेवरात व छः हजार रूपए नगदी गायब था। रामदीन ने इसकी सूचना फोन के माध्यम से त्रिलोकपुर पुलिस को दिए।मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का जांच कर वापस थाने चली गई।इस संबंध में थानाध्यक्ष त्रिलोकपुर विपिन सिंह राठौर ने बताया कि चोरी के घटना का अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर जांच की जा रही है।